19 मार्च 2025

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

7166 करोड़ रुपये की जलापूर्ति परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बिहार पुलिस सम्मान समारोह आज, कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी व जवान होंगे सम्मानित

कर्तव्यनिष्ठ जाबांजों को केशव टाइम्स का सलाम

- केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा कार्यक्रम
- डीजी आलोक राज, डीआईजी सत्य प्रकाश, एसपी शुभम आर्य समारोह में रहेंगे उपस्थित

केटी न्यूज/ डुमरांव

तथ्यपरक खबरों के साथ लोकहित के मुद्दों को विशेष रूप से जगह देकर आमजन के बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाला केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने अब कर्तव्यनिष्ठा को सलाम करने की पहल की है। इसी कड़ी में 19 मार्च को केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 11.30 बजे से वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय डुमरांव में होने वाले इस कार्यक्रम में बक्सर जिला में बेहतरीन और कर्तव्यनिष्ठ कार्य करने वाले बिहार पुलिस के जांबाज पुलिस अधिकारियों व जवानों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आलोक राज, महानिदेशक सह अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना, अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी), विशिष्ट अतिथि सत्य प्रकाश पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद क्षेत्र व विशिष्ट अतिथि कुमारी अनुपम सिंह, एडीएम सह प्रभारी जिलाधिकारी, बक्सर उपस्थित रहेंगे।

पिछले एक साल की उपलब्धियों के आधार पर हुआ है चयन

अतिथियों के हाथों बक्सर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, जिले के दो एसडीपीओ और दो डीएसपी, तीन थानाध्यक्ष, आठ दारोगा व पांच सिपाही सम्मानित होंगे। खास बात यह है कि सम्मानित होनेवाले इन पुलिस अधिकारियों और जवानों का चयन पिछले एक साल की उनकी उपलब्धियों के आधार पर किया गया है। इनमें क्राइम कंट्रोल, शराब तस्करी रोकने, साइबर क्राइम, डायल 112 के तहत इनका विशेष योगदान है। जिन पुलिस अधिकारियों व जवानों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा, इनका चयन बक्सर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से किया गया है। जिला में यह पहला अवसर है कि किसी मीडिया ग्रुप की ओर से पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

इन अधिकारियों व जवानों को मिलेगा बिहार पुलिस सम्मान

1. शुभम आर्य, पुलिस अधीक्षक, बक्सर
2. धीरज कुमार, डीएसपी, बक्सर
3. अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव
4. संतोष कुमार सिंह, डीएसपी, यातायात बक्सर
5. शंभु कुमार भगत, थानाध्यक्ष, डुमरांव
6. संतोष कुमार, थानाध्यक्ष, राजपुर
7. मनीष कुमार, थानाध्यक्ष, नया भोजपुर
8. कमल नयन पांडेय, थानाध्यक्ष, सिमरी
9. सोनू पासवान, थानाध्यक्ष, इटाढ़ी
10. रौशन अली, एसआई, राजपुर
11. विकास लायेक, पुलिस अवर निरीक्षक, साइबर थाना, बक्सर
12. श्री कुमार कश्यप, सहायक अवर निरीक्षक, रामदास राय डेरा
13. ओमप्रकाश यदुवेंदु, पु.अ. नि. यातायात डुमरांव
14. राकेश रंजन, स.अ.नि. इटाढ़ी
15. लाल बहादुर राम, स.अ.नि. सिकरौल थाना
16. अनिल कुमार सिंह , प्रा. अ. नि. ब्रह्मपुर
17. सुधीर कुमार ओरांव, प्रा. अ. नि. डुमरांव
18. सुश्री रिपु कुमारी, सिपाही, नगर थाना बक्सर
19. विक्रम कुमार, सिपाही, ईआरएसएस, बक्सर
20. रमेश कुमार, सिपाही, डीआईयू, डुमरांव
21. विकास कुमार, सिपाही, ईआरएसएस, बक्सर
22. सुजीत कुमार, सिपाही, यातायात, बक्सर

समारोह में कैंब्रिज स्कूल डुमरांव और फाउंडेशन स्कूल डुमरांव के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर बच्चों को प्रशस्ति पत्र और मोमेटों देकर सम्मानित किया जाएगा।

कंकड़बाग थाना क्षेत्र के अशोक नगर इलाके में हुई घटना

पटना में बंदूक की नोक पर एक करोड़ रु. की लूट

- जमीन के लिए बयाना देने जा रहे दो व्यक्तियों के साथ ही लूट की वारदात
- करीब 7 से 8 बदमाशों ने पीड़ितों को बंदूक की नोक पर धमकाया, फिर नकदी से भरा बैग छीन लिया

केटी न्यूज/पटना

बिहार के आरा में तनिष्क शो रूम में हुई करोड़ों की हुई लूट के बाद अब पटना में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े पिस्टल की नोक पर 1 करोड़ की लूट की घटना को अंजाम देकर पुलिस और सुशासन की सरकार को बड़ी चुनौती दी है। बताया जा रहा है कि जमीन खरीदने के लिए बयाना देने पार्टी गई थी, तभी इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र के अशोक नगर इलाके में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार दो व्यक्ति जमीन खरीदने के लिए बयाना देने जा रहे थे, इस दौरान उनके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के मुताबिक, करीब सात से आठ बदमाशों ने पीड़ितों को बंदूक की नोक पर धमकाया और नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद स्थानीय दुकानदारों और आसपास के लोगों में भय का माहौल कायम हो गया है। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज की खंगाल रही है। सिटी एसपी (ईस्ट) के. रामदास के नेतृत्व में एक विशेष टीम मामले की जांच में जुटी है। शुरूआती जांच में यह सामने आया है कि पीड़ित और आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। एक पक्ष जमीन बेच रहा था जबकि दूसरा खरीदने जा रहा था।

सिटी एसपी ने बताया कि यह घटना एक निजी रियल एस्टेट ऑफिस में हुई, जहां अपराधी पहले से मौजूद थे। जब पीड़ित अभिषेक कुमार और राजू कुमार ने कैश के साथ ऑफिस में प्रवेश किया, तो पांच से छह और अपराधी वहां आ पहुंचे और उन्हें पिस्टल की नोक पर लूट लिया। अपराधियों ने उनके चार स्मार्टफोन भी छीन लिये। जांच में यह भी सामने आया कि अपराधी खगौल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड एक कार से फरार हुए हैं। पुलिस को शक है कि सभी आरोपी पटना सिटी क्षेत्र के रहने वाले हो सकते हैं।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश पर साधा निशाना

पटना में हुई 1 करोड़ की लूट को लेकर तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, मुख्यमंत्री की नाक के नीचे फिर आज राजधानी पटना में करोड़ों की लूट। हत्या, लूट, चोरी, रंगदारी, बलात्कार और भ्रष्टाचार ही नीतीश सरकार की एकमात्र उपलब्धि है। एनडीए के बड़बोले अहंकारी नेता चुप हैं, क्योंकि सबका हिस्सा फिक्स है। अपराधी सचेत हैं क्योंकि मुख्यमंत्री अचेत हैं। अपराधियों की बहार है क्योंकि सीएम नीतीशे कुमार हैं।

ईडी ने राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव से चार घंटे तक की पूछताछ

जमीन के बदले नौकरी मामले में कस रहा शिकंजा

केटी न्यूज/पटना

जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया। राबड़ी देवी बेटी मीसा भारती के साथ ईडी के दफ्तर पहुंचीं। इनके पहुंचे के करीब एक घंटे बाद तेजप्रताप यादव भी ईडी दफ्तर पहुंचे। यह पहली बार है जब जमीन के बदले नौकरी मामले में तेजप्रताप यादव से पूछताछ की गई। इधर, राबड़ी देवी और मीसा भारती के पहुंचते ही ईडी दफ्तर के बाहर राजद समर्थकों की भीड़ जुट गई, जिन्होंने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया।

पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने राबड़ी देवी से कई महत्वपूर्ण सवाल किए, जिनमें प्रमुख थे, जिन व्यक्तियों से जमीन खरीदी गई, उन्हें वह कैसे जानती हैं और उनसे पहली बार कब मिली थीं? तेजस्वी यादव द्वारा दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में खरीदे गए बंगले के संबंध में भी सवाल पूछे गए।

इधर, पूछताछ के बाद, राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने इस कार्रवाई को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से जोड़ा। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने के कारण ऐसी जांचें शुरू हो जाती हैं, जो राजनीति से प्रेरित हैं। तेज प्रताप यादव ने पूछताछ को लेकर किसी भी बयान देने से साफ इनकार कर दिया।

मप्र के शिवपुरी में श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी, सात लोग लापता

एजेंसी/शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी के खनियाधाना थाना क्षेत्र के माता टीला डैम में मंगलवार को श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। इसमें तीन महिलाओं और चार बच्चों समेत कुल सात लोग लापता हैं। आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। प्रशासन मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा है। जानकारी के मुताबिक, राजवन गांव के 15 लोग मंगलवार शाम करीब 5 बजे नाव से डैम के बीच बने टापू पर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर के दर्शन करने जा रहे थे। रास्ते में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव में सवार कई लोग डूबने लगे। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आठ लोगों को बचा लिया। वहीं, तीन महिलाओं और चार बच्चों का कोई पता नहीं चला है। हादसे में बचे नाविक प्रदीप लोधी के मुताबिक, सबसे पहले नाव पर सवार एक महिला को पिछले हिस्से में पानी भरता हुआ दिखाई दिया। इसके कुछ देर बाद नाव में पानी तेजी से भरने लगा और वह डूब गई।

राजेश कुमार बने बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी हो गई है। उनकी जगह दलित समुदाय से आने वाले विधायक राजेश कुमार को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में अभी लगभग 7 महीने बाकी हैं और नए प्रदेश प्रभारी को बदलने के बाद अब बिहार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष भी पार्टी आलाकमान ने बदल दिया है। कांग्रेस पार्टी में अखिलेश सिंह क लगातार विरोध हो रहा था। उनके ही कार्यकर्ता उनपर गंभीर आरोप लगा रहे थे। यह अन्तः विरोध काफी दिनों से चल रहा था। उनके कार्यकताओं का आरोप था कि कई जगह उन्होंने पार्टी का कार्यालय और जमीन उन्होंने बेच दी। साथ ही साथ में काम करने वाले कार्यकताओं के साथ उनका व्यवहार भी खराब थे।

नागपुर में भड़की हिंसा के बाद कई इलाकों में लगा कर्फ्यू

नहीं थम रहा औरंगजेब की क्रब को लेकर उठा विवाद

एजेंसी/नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब की क्रब को लेकर उठा विवाद हिंसा का रूप ले चुका है। नागपुर में भड़की हिंसा की आग में पुलिसकर्मी से लेकर आम आदमी तक इसका शिकार हुए है। हिंसा भड़कने के बाद पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत नागपुर शहर के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

नागपुर के पुलिस आयुक्त रविंदर कुमार सिंघल द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेंगे। कर्फ्यू कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरानगर और कपिलनगर में पुलिस स्टेशन की सीमा में लागू है। जैसा कि आदेश में कहा गया है, 17 मार्च को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के लगभग 200 से 250 सदस्य औरंगजेब की कब्र को हटाने के समर्थन में नागपुर के महल में शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास एकत्र हुए बाद में, शाम 7:30 बजे, लगभग 80 से 100 लोग कथित तौर पर भालदारपुरा में एकत्र हुए, जिससे तनाव पैदा हुआ और कानून-व्यवस्था बाधित हुई। आदेश में कहा गया है कि लोगों के एकत्र होने से लोगों को परेशानी हुई और सड़कों पर लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई।

समाज में अश्लीलता के बढ़ते चलन पर बिहार के पुलिस महानिदेशक ने दिया कड़ा संदेश

किसी हाल में अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी: डीजीपी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने समाज में अश्लीलता के बढ़ते चलन पर कड़ा संदेश दिया है। मंगलवार को पटना में आयोजित उड़ान नामक संवादात्मक सत्र में उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान पर अपनी विचार रखी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी रूप में अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसके खिलाफ हम सभी को मिलकर कड़े कदम उठाने होंगे। डीजीपी ने बताया कि बिहार में हर जिले में एक महिला थाना संचालित हो रहा है, जो देश के अन्य राज्यों से अलग और खास पहल है। इन थानों का नेतृत्व महिला पुलिस अधिकारी कर रही हैं, जिससे महिलाओं में सुरक्षा की भावना बेहतर हुई है। पहले जहां महिलाएं थानों में जाने से हिचकती थीं, अब वे बिना डर और भय के शिकायत दर्ज कराने थाने चली जाती हैं।विनय कुमार ने कहा कि समाज में अश्लीलता रोकने के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा। छोटे छोटे आयोजनों में अश्लील गानों पर नृत्य होना इसीलिए संभव होता है क्योंकि लोग इसे सुनना चाहते हैं। अगर महिलाएं खुलकर ऐसे गानों और आयोजनों के खिलाफ आवाज उठाएं, तो इन्हें रोकने में आसानी होगी है। उन्होंने कहा कि स्टेज पर डांस के नाम पर बढ़ती अश्लीलता के खिलाफ महिलाओं को खुद खड़े होकर विरोध करना चाहिए।

बच्चों पर अभिभावकों को मॉनिटरिंग करनी होगी

डीजीपी ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों पर विशेष नजर रखें, खासकर मोबाइल को किस तरीके से प्रयोग करते हैं । उन्होंने कहा कि आजकल बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया है, लेकिन माता–पिता की जिम्मेदारी है। आपको बता दें कि पुलिस पर बढ़ते हमले को लेकर चिंता का विषय बताया और यह भी स्वीकार किया कि हाल के दिनों में पुलिसकर्मियों पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पुलिस डरकर काम करना बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि पुलिस को बिना भय के अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा और इन घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: खेल विभाग के अधिकारियों ने बेगूसराय में लिया तैयारियों का जायजा

- तेघरा स्थित यमुना भगत स्टेडियम और बरौनी रिफाइनरी स्टेडियम का बारीकी से निरीक्षण किया गया
- अधिकारियों ने मैदान की स्थिति, खिलाड़ियों की सुविधा, आवास, भोजन, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था की हुई समीक्षा

केटी न्यूज/बेगूसराय

बिहार एक बार फिर खेल जगत में राष्ट्रीय पहचान कायम करने की दिशा में अग्रसर है। राज्य में आगामी खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। चार मई से 15 मई तक आयोजित होने वाले इस बड़े खेल आयोजन को लेकर मंगलवार को राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बेगूसराय में स्थल निरीक्षण किया और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

खेल विभाग के शीर्ष अधिकारियों का निरीक्षण दौरा : खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग) बी राजेंदर, खेल निदेशक महेंद्र कुमार और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्र शंकरण ने तेघरा स्थित यमुना भगत स्टेडियम और बरौनी रिफाइनरी स्टेडियम का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मैदान की स्थिति, खिलाड़ियों की सुविधा, आवास, भोजन, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग) बी राजेंदर ने कहा कि कार्य में तेजी लायी जाए। कार्य में किसी तरह की कोताही नहीं की जाए। जिससे खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को सबके सामने ला सके। उन्हें अधिकारियों का हिदायत दी।

बेगूसराय में खेलेंगे फुटबॉलर, भागलपुर में गूंजेगा शटलर का कौशल

इस बार बिहार के पांच प्रमुख जिलों पटना, राजगीर (नालंदा), भागलपुर, गया और बेगूसराय को इस राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला है। बेगूसराय में फुटबॉल, भागलपुर में बैडमिंटन और अन्य जिलों में विभिन्न खेलों का आयोजन प्रस्तावित है। खेल विभाग का लक्ष्य है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जाएं, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और अनुभव दोनों उच्च गुणवत्ता के हों।राष्ट्रीय स्तर के मानकों पर तैयार होंगे स्टेडियम अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान स्टेडियमों की अधोसंरचना को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए। स्थानीय प्रशासन और खेल विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रतियोगिता के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो। खिलाड़ियों के ठहरने से लेकर खेल सामग्री, परिवहन और आपातकालीन सेवाओं तक हर पहलू की विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। राजगीर में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के सफल आयोजन के बाद बिहार के खेल आयोजनों को लेकर देशभर में सकारात्मक चर्चा है। अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के जरिए बिहार एक बार फिर खेलों में अपनी सशक्त मौजूदगी दर्ज कराने जा रहा है। यह आयोजन युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच बनने जा रहा है। इसके लिए सरकार की ओर से पूर्व से ही लगातार प्रयास किया जा रहा था कि यूथ को खेल का मंच मिले। सभी तरह के खेलों को प्रमोट करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि युवा तरह के खेलों में अपने आप को ढाल सके। उसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाते हुए मेडल ला सके। इसके लिए अब युवाओं को स्कूल स्तर से ही प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों के माध्यम से उनके अंदर की प्रतिभा को बाहर निकाला जा रहा है।

सीएम ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का किया शिलान्यास

7166 करोड़ रुपये की जलापूर्ति परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

- हर ग्रामीण परिवार को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है
- जिन योजनाओं का आज शिलान्यास किया गया है, उन्हें समय पर पूरा करना अनिवार्य है

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य की पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की। उन्होंने हर घर नल का जल निश्चय योजना के अंतर्गत 7166 करोड़ छह लाख रुपये लागत की जलापूर्ति योजनाओं और भवन संरचनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 1, अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 83 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का भी शिलान्यास किया। यह भवन विभाग की कार्यक्षमता और संचालन को और बेहतर बनाएगा।

जलापूर्ति में बिहार बना अग्रणी राज्य : कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लोगों को पेयजल की आपूर्ति राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप की जा रही है। हर ग्रामीण परिवार को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जो कि राष्ट्रीय औसत से 16 लीटर अधिक है। उन्होंने बताया कि हर घर नल का जल योजना की प्रशंसा आज पूरे देश में हो रही है और इसके तहत बनी सभी जलापूर्ति योजनाओं का संचालन और रख-रखाव विभाग द्वारा ही किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने योजनाओं की समयबद्धता और मेंटेनेंस पर दिया जोर दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिन योजनाओं का आज शिलान्यास किया गया है, उन्हें समय पर पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से होता रहे और सभी जलापूर्ति योजनाओं का मेंटेनेंस सुदृढ़ हो, ताकि राज्य के लोगों को नियमित, स्वच्छ और निर्बाध जल आपूर्ति में कोई बाधा न हो। हर घर में लोगों को शुद्धपेय जल मिले। इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

कार्यक्रम में दिखी सरकार की प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री को प्रधान सचिव पंकज कुमार द्वारा एक हरित पौधा और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। जिसमें अब तक हुए कार्यों और योजनाओं की झलक प्रस्तुत की गई। जिसमें जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। आम जनता को इसके संरक्षण के प्रति सीख दी गई। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के विशेष सचिव संजीव कुमार समेत कई अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के जिलाधिकारी और विभागीय अधिकारी भी जुड़े।

शिक्षण संस्थानों में आरक्षित सीटें भरी जाएंगी: सीएम

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में कहा कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित सीटों को भरने के लिए कदम उठाए जाएंगे। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर राजद विधायक ललित यादव ने निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षित सीटों के खाली रहने का मुद्दा उठाया। उन्होंने ऐसी खाली सीटों का जिलावार ब्योरा और उठाए जा रहे कदमों के बारे में बयान दिए जाने की भी मांग की। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने सदन को बताया कि सरकार द्वारा सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, वह विपक्षी सदस्यों को संतुष्ट करने में विफल रहे और मुख्य विपक्षी दल के सदस्य आसन के समक्ष आ गए।

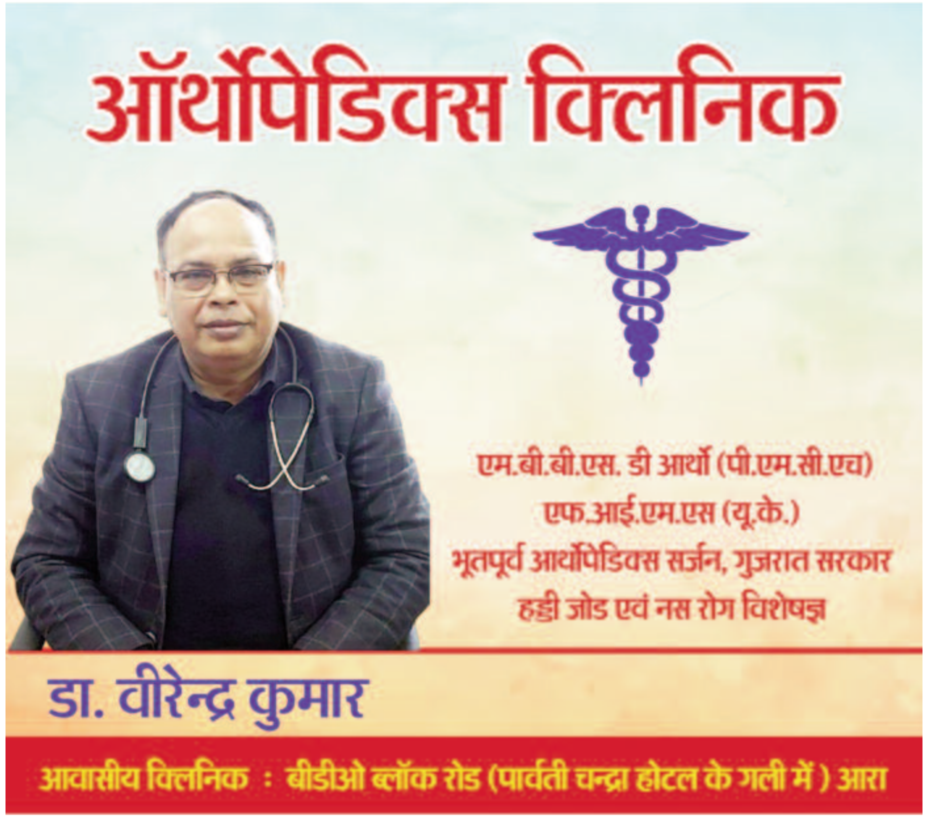

नावानगर में धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना क्षेत्र के परमानपुर गांव में मंगलवार की सुबह एक युवक की मौत धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से हो गई। मृतक 40 वर्षीय मुन्ना गोसाई बताया जाता है।

बताया जाता है कि अचानक किसी कारण वश बिजली पोल के स्टेक में विद्युत धारा प्रवाहित होने लगी थी। इसी दौरान मुन्ना गोसाई इसकी चपेट में आ गया। ग्रामीणों ने पहले ट्रांसफार्मर से बिजली सप्लाई बंद किया। साथ ही उम्मीद पर ग्रामीणों ने आनन फानन में मुन्ना गोसाई को सीएचसी नावानगर इलाज के लिए ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नावानगर पुलिस ने पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। साथ ही पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है। नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में आवेदन प्राप्त है। जिसमे बताया गया है की बिजली पोल को खड़ा करने को लगे स्टेक में विद्युत प्रवाहित होने लगी थी। जिसकी चपेट में आने से मुन्ना की मौत हो गई है।

नया भोजपुर के प्रगतिशील किसान आशुतोष ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की मिशाल

- ♦ भाईचारा बढ़ाने के लिए चार दर्जन से अधिक रोजेदारों के बीच वितरित किए 25 किग्रा मशरूम

केटी न्यूज/डुमरांव

भले ही पुलिस प्रशासन की नजर में नया भोजपुर गांव सांप्रदायिक तनाव वाले क्षेत्र में शामिल है, लेकिन आज भी इस गांव में कौमी एकता की जड़े काफी मजबूत है। इसे और मजबूत बनाने का प्रयास करते हुए गांव के प्रगतिशील किसान व जिले में मशरूम मैन के रूप में विख्यात आशुतोष पांडेय ने रमजान के इस पाक महीने में चार दर्जन से अधिक रोजेदारों के बीच अपने खेत में उत्पादित 25 किग्रा मशरूम का वितरण किया है। खास यह कि हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने यह वितरण किया है।

उनकी इस अनूठी पहल की गांव तथा आस पास के इलाके में तारीफ हो रही है। इस दौरान उन्होंने रोजेदारों को मशरूम पकौड़ी की रेसिपी भी सिखाई और खान-पान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। उनका कहना है कि यह प्रयास गांव और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने के उद्देश्य से किया है।

आशुतोष ने बताया कि मुसलमानों के लिए रमजान का महीने पाक होता व काफी कठिन होता है। पूरे दिन रोजा रखने के बाद इफ्तारी में अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए, और मशरूम जैसे पौष्टिक आहार से उनकी सेहत को लाभ पहुंच सकता है। उन्होंने घोषणा किया है कि ईद तक कोई भी रोजेदार उनसे मुफ्त मशरूम ले सकता है। बता दें कि नया भोजपुर में मुस्लिम समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है और रोजेदारों की संख्या भी काफी है। आशुतोष की इस पहल को गांव में सराहना मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कदम न केवल सामाजिक एकता को दर्शाता है, बल्कि रमजान के दौरान रोजेदारों के लिए एक उपयोगी सहायता भी साबित हो रहा है।

कृषि क्षेत्र में ख्याति अर्जित कर चुके हैं आशुतोष

आशुतोष पांडेय नया भोजपुर उत्तर टोला के निवासी है। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त कर खेतीबाड़ी की ओर मुख किया। गांव में ही पैतृक जमीन पर उन्होंने कई तरह की सब्जी व नकदी फसलों का उत्पादन कर जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। आशुतोष पहले भी मशरूम उत्पादन के लिए चर्चा में रह चुके हैं। उनको मशरूम उत्पादन के लिए राज्य व जिला स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। अब उनकी यह सामुदायिक पहल नया भोजपुर में एक मिसाल बन रही है। इसके अलावे वे बेबी कार्न व इस साल फूलों की खेती कर भी किसानों को नई राह दिखा चुके हैं।

खबरें फटाफट

रांची में शराब दुकान से 8.30 लाख चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

ब्रह्मपुर। 14 मार्च को झारखंड की राजधानी रांची की एक शराब दुकान से 8.30 लाख रुपए कैश चुराकर फरार चोरों को रांची पुलिस ने ब्रह्मपुर पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्र के गरहथा खुर्द गांव से गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। गिरफ्तार चोरों की पहचान गरहथा खुर्द निवासी चंदन सिंह पिता सिरनग सिंह व प्रेम सिंह पिता जनार्दन सिंह के रूप में हुई है। दोनों अभियुक्तों को रांची पुलिस अपने साथ ले गई। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि दोनों पर रांची की एक शराब दुकान से 8.30 लाख कैश चोरी करने का आरोप है।

नए बीडीओ ने किया पदभार ग्रहण

सिमरी। प्रखंड के नए बीडीओ लोकेंद्र यादव ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान सीओ भगवती शंकर पाण्डेय ने स्वागत किया। स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में प्रखंड में चल रहे विकास कार्यों में तेजी आएगी। नए बीडीओ ने कहा कि प्रखंड का चहुमुंखी विकास करना उनका मकसद है। योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचे इसके लिए वे पूरा प्रयास करेंगे। मौके पर प्रखंड कर्मियों ने नए बीडीओ का स्वागत किया।

डुमरांव में उच्चकों ने सफाई से दिया घटना को अंजाम, नहीं लगी पीड़ित को भनक

सीएसपी का ताला खोलने के दौरान संचालक के बैग से उड़ाए 1.5 लाख

- ♦ अपराधियों ने पलक झपकते ही दिया घटना को अंजाम
- ♦ पहले भी लूट का हो शिकार चुका है पीड़ित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में उचक्कों ने पलक झपकते ही एक सीएसपी संचालक से 1.5 लाख रूपए उड़ा लिए। उचक्कों ने इतनी सफाई से इस घटना को अंजाम दिया कि सीएसपी संचालक को इसकी भनक तक नहीं लगी, जबकि रूपयों से भरा बैग उसके पीठ पर मौजूद था। जब उचक्के पैसा लेकर भाग निकले इसके कुछ देर बाद संचालक ने जब अपना बैग खोल रूपए गिना तब उसे इस घटना को अहसास हुआ।

घटना के बाद पीड़ित ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। पुलिस आस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

बताया जाता है कि घटना के बाद आस पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच जांच-पड़ताल के साथ सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। पीड़ित डीएस कोठी मोहल्ले का रहने वाला बताया जाता है। सीसीटीवी फुटेज में उचक्के बाइक पर बैठ भागते हुए दिखाई पड़ रहे है।

पूर्व में भी उसके साथ हुई है ऐसी घटना

पुलिस सूत्रों के अनुसार सीएसपी संचालक सुबोध रंजन श्रीवास्तव के साथ पूर्व में कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के ढकाईच गांव के पास एनएच 922 पर लूट हुई थी, हालांकि इस घटना में शामिल लूटेरे कुछ दिन बाद ही पकड़े गए थे। जिसके बाद उन्होंने अपने कृष्णाब्रह्म के सीएसपी को बंद कर डुमरांव में नया केंद्र खोला था, लेकिन यहां भी यह अपराधियों के निशाने पर आ गए। घटना के बाद आसपास के लोग अपराधियों के दुस्साहस की चर्चा कर रहे थे।

एक बाइक पर सवार तीप्न अपराधी पहुंचे: मामला मंगलवार की सुबह स्टेशन रोड स्थित विष्णु मंदिर के समीप का है। पीड़ित सुबोध रंजन श्रीवास्तव उर्फ पिंकू लाल विष्णु मंदिर के पास ही स्टेट बैंक के सीएसपी का संचालन करते है। वे स्टेट बैंक शाखा से 4.5 लाख रुपये की निकासी कर विष्णु मंदिर के पास अपने सीएसपी केंद्र का दरवाजा खोल रहे थे, इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन अपराधी पहुंचे। इनमें एक बाइक स्टार्ट कर बैठा रहा, जबकि दो पलक झपकते ही ताला खोल रहे सीएसपी संचालक के पास पहुंचे तथा उनके बैग का ताला खोल उसमें से 500-500 रूपए की तीन गड्डी चुरा फरार हो गए। इधर इससे बेखबर सुबोध ताला खोल जैसे ही अपने टेबल पर बैग रख रुपए निकाल गिनने लगा तो उसमें तीन गड्डी कम मिली। जिसके बाद उन्हें चोरी का अहासास हुआ। वहीं, सीएसपी के बाहर खड़े ग्राहकों ने भी बताया कि दो युवक तेजी से भागते हुए बाइक पर बैठे तथा तीसरा बाइक पर पहले से ही मौजूद था। तीनों स्टेशन की तरफ भाग निकले है, इसके बाद सीएसपी संचालक को अपने साथ हुई घटना की जानकारी मिल सकी तथा उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

जल्द पकड़े जाएंगे उच्चके

“ घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मामले की पड़ताल शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, इसके अलावे वैज्ञानिक तरीके से भी इस मामले का अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। उचक्कों को जल्दी पकड़ लिया जाएगा।

– शंभू कुमार भगत, थानाध्यक्ष, डुमरांव

राजपुर में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक की मौत

दो बाइकों पर सवार पांच अन्य लोग जख्मी

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा-दिनारा मार्ग पर धनसोई थाना क्षेत्र के खोरईठा पुल के समीप मंगलवार की देर शाम सात बजे दो तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बाइकों पर सवार पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के तिलकड़ा निवासी रामदल चौहान का 30 वर्षीय पुत्र अक्षय चौधरी अपने दो साथियों के साथ बाइक से दिनारा की ओर जा रहा था। जैसे ही वह खोरईठा पुल के पास पहुंचा, विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बाइक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार सभी छह लोग सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से अक्षय चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठा फरार हो गया। इस दौरान गुजर रहे राहगीरों ने इस घटना की सूचना कैथहरकला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि उपेंद्र सिंह को दी। उसी समय उधर से गुजर रहे बीडीओ सिद्धार्थ कुमार को भी ग्रामीणों ने रोक लिया। बीडीओ ने स्थिति को देखते हुए तुरंत स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस को सूचित किया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी घायलों को एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया है। मृतक के परिजनों को जब इस घटना की सूचना मिली, तो घर में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जबकि घायलों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

नाबालिग गैंगरेप पीड़िता को न्याय और दोषियों को सजा दे पुलिस प्रशासन: भाकपा

केटी न्यूज/नावानगर

बासुदेवा थाना के एक गांव में नाबालिग के साथ हुई गैंगरेप की घटना को लेकर मंगलवार को माले व ऐपवा के नेताओं ने पीड़िता के परिजनों से मिले। साथ ही घटना के संबंध में जानकारी लिया। इसके बाद पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करने की पीड़िता के परिजनों को आश्वासन दिया। इस दौरान माले के नेताओं ने इस घटना को लेकर राजग पर निशाना साधा। नेताओं ने कहा कि भाजपा जदयू सरकार में लगातार महिलाओं व बच्चियों पर हमले हो रहे हैं। रोजाना विभिन्न जिलों से बलात्कार व हत्या की खबरें आ रही हैं। आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा।

कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार महिलाओं को आगे बढ़ाने की खोखली बाते करते रहते हैं। जबकि सच यह है कि महिलाओं व बच्चियों पर पहले से ज्यादा असुरक्षित हैं। बिहार में महिलाओं को सुरक्षा देने में नीतीश सरकार पूरी तरह से विफल है। नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप जैसा जघन्य अपराध के बाद आरोपी ने नाबालिग को चाकू से हमला कर हत्या का भी प्रयास किया। किसी तरह पीड़िता की जान तो बच गई। पर इसे इंसाफ कब मिलेगी। कब तक इस घटना को अंजाम देने वाला एक दोषी को पुलिस गिरफ्तार करेगी। कहा पीड़िता के परिजन अभी भी डरे सहमे हैं। उन्होंने मांग किया कि सरकारी राशि से पीड़िता का इलाज हो। पीड़ित परिवार से मिलने वालों में ऐपवा की जिला सचिव संध्या पाल, जिलाध्यक्ष रेखा देवी, सचिव पूजा कुमारी भाकपा माले प्रखण्ड सचिव बीरेंद्र सिंह, मजदूर नेता नारायण दास, ललन प्रसाद समेत अन्य थे।

चौगाईं में ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत, पसरा मातम

केटी न्यूज/चौगाईं

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से ईंट भट्ठा पर काम करने वाले एक मजदूर की मौत हो गई है। यह घटना मंगलवार की देर शाम मुरार थाना क्षेत्र के चौगाईं बड़का पोखरा के पास की है। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद ट्रैक्टर चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया।

मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान चौगाईं गांव निवासी नरेश नोनिया के 30 वर्षीय पुत्र नागेन्द्र नोनिया के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह बसंतपुर के एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। मंगलवार की शाम वहां से मजदूरी कर वह वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वह चौगाईं बड़का पोखरा के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। जानकारी होते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। पुलिस शव को कब्जे में ले पंचनामा व पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गई है।

जिलाधिकारी ने जिले के लोगों से की अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने की अपील

जिलेवासी अपने क्षेत्र में अगलगी की घटनाओं से बचाव के लिए डॉयल करें 101 या 112: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

अग्नि प्रवण काल के दौरान अग्नि सुरक्षा के उपायों के बारे में जन जागरूकता के लिए मंगलवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा एलईडी जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर समाहरणालय बक्सर से रवाना किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रतिवर्ष माह मार्च से पछुआ हवाओं के कारण राज्य में अग्नि कांडों की संख्या बढने लगती है। माह मार्च से जून तक पूरे राज्य में काफी अग्नि कांड होते है। इसको देखते हुए गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं द्वारा अग्नि सुरक्षा हेतु प्रबंध किया गया है। दिनांक 15 मार्च से 31 मार्च 2025 तक एलईडी जन जागरूकता रथ को जिला अंतर्गत चलाया जाएगा, जिसमें जिलेवासियों को अग्नि सुरक्षा के उपायों से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ-साथ अग्निकांड की घटनाओं के संबंध में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में मॉक ड्रील एवं नुक्कड नाटक के माध्यम से लगातार जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पराली जलाने वाले के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जिला अग्निशाम पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि अग्नि घटनास्थल पर यथाशीघ्र पहुंचने हेतु रूट चार्ट, मैप एवं कम्युनिकेशन प्लान तैयार कर सभी अग्निशमन केंद्रों/वाहनों में उपलब्ध कराना रखना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा तैयार अग्नि सुरक्षा से संबंधित लिफलेट-पम्पलेट का वितरण जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सरकारी स्कूलों-कॉलेजों के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें। जिला अग्निशाम पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर से समन्वय स्थापित कर फायर ऑडिट कराना सुनिश्चित करेंगे। विशेष रूप से खेत-खलिहानों के उपर से गुजर रहें हाई टेन्शन तारों का सेफ्टी ऑडिट कराते हुए लूज शटिंग को ठीक कराया जाय।

जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि मध्याहन भोजन से संबंधित विद्यालयों के रसोई घरों में अग्निशमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे। जिला अग्निशाम पदाधिकारी बक्सर द्वारा बताया गया कि अग्नि प्रवण काल के दौरान अग्निशमन वाहनों व उपकरणों की मरम्मति करा ली गई है। पंचायत सचिव, टोला सेवक, आपदा मित्र के सहयोग से अग्नि सुरक्षा का प्रबंध किया जाएगा।

भव्य तरीके से मनाया जाएगा बिस्मिल्लाह खां महोत्सव व बिहार दिवस: एडीएम

- अपर समाहर्ता ने की बिस्मिल्लाह खां महोत्सव व बिहार दिवस की तैयारियों की समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव एवं बिहार दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई। बता दें कि 21 मार्च को राज उच्च विद्यालय डुमरांव में उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव व 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाएगा।

अपर समाहर्ता ने बताया कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव में विभिन्न कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संतूर, शहनाई आदि वादय यंत्रों से प्रस्तुति दी जाएगी। जबकि बिहार दिवस के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता, गंगा आरती आदि का आयोजन किया जाएगा। अनुमंडल स्तर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। साथ ही नगर भवन बक्सर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत एवं सम्मानित भी किया जाएगा। अपर समाहर्ता ने वरीय पदाधिकारियों को दोनों कार्यक्रमों को काफी भव्य तरीके से संपन्न कराने को कहा। उन्होंने कहा कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां ने शहनाई को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलवाई थी, इस उपलब्धि के लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया थे। वहीं, बिहार का स्थापना दिवस समारोह में बड़े धूम धाम से मनाया जाएगा। उन्होंने दोनों कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने का निर्देश दिया।

उक्त बैठक में बक्सर सदर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र एवं डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, वरीय कोषागार पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

सिमरी में अग्निशमन विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

सिमरी। अगलगी की घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से अग्निशमन विभाग डुमरांव के द्वारा सिमरी प्रखंड के आशापड़री पंचायत के मुखिया दीप नारायण सिंह के मौजूदगी में जागरूकता अभियान चलाया। दरअसल गर्मी बढ़ने के साथ प्रखंड के अगलगी की घटना बढ़ जाती हैं। इसी को लेकर विभाग आग से बचाव के लिए अभियान चला रहा हैं। जहां, पंचायत प्रतिनिधियों और आमलोगों के साथ जन जागरूकता सभा का आयोजन किया और अग्नि सुरक्षा की जानकारी दी गई। अग्निशमन कर्मी नीरज कुमार, मणिभूषण, अंजली कुमारी ,चालक शिवा सिंह ने लोगों को विस्तार से बताया कि आग लगने पर उन्हें क्या करना चाहिए तथा रास्ते में अग्निशमन वाहन को देखने पर उनका क्या व्यवहार होना चाहिए। अग्निशमन कर्मी ने घरेलू गैस सिलेंडर से आग लगने पर बचाव की जानकारी देते हुए आग बुझाने के तरीके को करके बताया। बताया कि आग पकड़ने वाली खाद्य सामग्री और पैकेट बंद सामान को सिलेंडर और चुल्हे से दूर रखने, अगलगी से बचाव के लिए बाल्टी में मिट्टी और बालू भरकर रखना चाहिए। जिससे आग लगने पर तुरंत इसका इस्तेमाल कर आग से बचा जा सकता है।

सनसनीखेज खुलासा: चक्की के डीलर के खाद्यान्न को मजदूरों ने जानबूझकर नीचे फेंका

ट्रांसपोर्टर्स व मजदूरों की मिलीभगत से सिमरी में चोरी हो रहा पीडीएस का अनाज

- ग्रामीणों की शिकायत पर एजीएम ने जब्त की बोरियां, जांच के दिए आदेश
- बोले पीडीएस दुकानदार... हर खेप में होती है चोरी की घटनाएं
- लंबे समय से चल रहा है सरकारी खाद्यान्न के चोरी का संगठित खेल

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी में पीडीएस के सरकारी खाद्यान्न का सुनियोजित तरीके से चोरी किया जा रहा है। चोरी की इस वारदात में ट्रांसपोर्टर से लेकर मजदूर तक शामिल है। जबकि चोरी के माल को खपाने के लिए कई साहूकार भी सक्रिय है। इसका खुलासा मंगलवार को उस वक्त हुआ जब स्थानीय एसएफसी गोदाम से चक्की के एक डीलर का खाद्यान्न लेकर जा रहे पिकअप वैन के उपर बैठे मजदूरों ने सिमरी काली मंदिर के पास जानबूझकर दो बोरी खाद्यान्न को नीचे फेंक दिये, इस दौरान वहां पहले से मोपेड लेकर खड़ा एक साहूकार उक्त खाद्यान्न को उठा अपने वाहन पर लादने लगा।

इसी दौरान स्थानीय कुछ युवा माजरा समझते हुए शोरगुल मचा उसे ऐसा करने से रोक तत्काल इसकी जानकारी एसएफसी प्रबंधन को दी। जानकारी मिलते ही सिमरी एसएफसी के एजीएम चंदन कुमार मौके पर पहुंचे तथा खाद्यान्न को जब्त कर उसे दुबारा उक्त पीडीएस होल्डर के पास भेजने का प्रबंधन किये। लगे हाथ उन्होंने मामले की जांच के आदेश भी दे दिए है।

बता दें कि सिमरी व चक्की प्रखंड के डीलर पिछले कुछ वर्षों से हर खेप में खाद्यान्न की चोरी का आरोप लगाते रहे है, लेकिन प्रबंधन यह तर्क देता था कि यहां से उनके सामने बोरियों को गिनकर वाहन पर लादा जाता है तो चोरी कैसे हो रही है, लेकिन मंगलवार को हुए इस खुलासे के बाद न सिर्फ डीलरों के आरोपों की पुष्टि हो गई बल्कि चोरी के इस सुनियोजित खेल में ट्रांसपोर्टर व मजदूरों की भूमिका का पदार्फाश भी हो गया। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही डीलरों में आक्रोश गहरा गया है तथा डीलरों ने खाद्यान्न का तौल अपने दुकान पर करने व इस खेल में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग एसएफसी से की है।

कोरोना काल में भी सामने आई थी खाद्यान्न चोरी की घटना : बता दें कि कोरोना काल में जब लॉक डाउन लगा था उस समय भी सिमरी बड़का राजपुर रोड में एक ऐसी घटना सामने आई थी, जिसमें डोर स्टेप डिलेवरी वाहन से खाद्यान्न गिराने पर बवाल हुआ था। वहीं, यह घटना संकेत देती है कि खाद्यान्न चोरी एक संगठित नेटवर्क के तहत चल रही है, जिसमें मजदूर, ट्रांसपोर्टर और स्थानीय साहूकार शामिल हैं। डीलरों का आरोप है कि चोरी के कारण उन्हें निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिल पाता, जिससे उनकी विश्वसनीयता और व्यवसाय प्रभावित होता है।

फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष ने लगाए आरोप

सिमरी में सरकारी खाद्यान्न की चोरी मामले में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष धीरेन्द्र तिवारी ने इस खेल में ट्रांसपोर्टरों व मजदूरों की भूमिका पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा किगोदाम से डोर स्टेप डिलीवरी में हर महीने भारी अनियमितता हो रही है, इस कारण डीलर लंबे समय से परेशान हैं। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि स्थानीय ट्रांसपोर्टर और मजदूर अपनी दबंगई और स्थानीय होने का फायदा उठाते हैं। इसे रोकने के लिए बाहरी ट्रांसपोर्टर और मजदूरों को काम पर रखना जरूरी है। वहीं, जानकारों का कहना है कि इस चोरी में ट्रांसपोर्टर की मुख्य भूमिका होती है। उनके इशारे पर ही मजदूर खाद्यान्न को रास्ते में फेंकते हैं, जिसे मौके पर खड़े साहूकार या अन्य लोग उठा खपाते हैं, बदले में ट्रांसपोर्टर व मजदूरों को उनका फिक्स पैसा मिल जाता है।

एजीएम ने दिए जांच के आदेश : एजीएम चंदन कुमार सिंह ने जांच के आदेश दे दिए है। उन्होंने डीलरों को आश्वासन दिया कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मामला खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में सुधार की तत्काल जरूरत को भी रेखांकित करता है।

एक नजर

द एमिटी स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

नावानगर। सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल में मंगलवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक अमरेन्द्र राजेश ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद बच्चों के बीच विभिन्न तरह के खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के प्रति विद्यालय के छात्रों में काफी उत्साह दिखाई दिया। पहले दिन की प्रतियोगिता में सौ मीटर, बैलून रेस, जलेबी रेस, थ्री लेग रेस, हार्डल रेस व अन्य खेलकूद शामिल था। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची तैयार किया गया। जिन्हें प्रतियोगिता के अंतिम दिन डायरेक्टर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता के शुभारंभ के दौरान विद्यालय के डायरेक्टर ने खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेलकूद से बच्चों के जीवन में सहयोग की भावना का विकास होता है। खेलकूद से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ सुदृढ़ होती है। मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ के अलावा खेलप्रेमी अभिभावक भी मौजूद थे।

बिहार बोर्ड द्वारा संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के निलंबन हटाने की प्रक्रिया शुरू

डुमरांव। डुमरांव के पुराना भोजपुर स्थित संतजोसफ गर्ल्स हाई स्कूल को निलंबन मुक्त करने की प्रक्रिया बिहार बोर्ड द्वारा शुरू कर दी गई है। इस संबंध में डुमरांव विधायक ने बिहार विधानसभा में तारांकित प्रश्न पूछा था, जिसके जबाव में शिक्षा मंत्री ने बताया था कि इस विद्यालय में मानक के अनुरूप शिक्षक नहीं रहने के कारण बोर्ड द्वारा इसका निलंबन स्थगित कर दिया गया था, लेकिन विद्यालय प्रबंधन द्वारा 5 मार्च 2025 को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को शिक्षकों की कमी को पूरा करने संबंधित प्रतिवेदन दिया गया, जिसके बाद बोर्ड द्वारा इस विद्यालय को निलंबन मुक्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस विद्यालय को निलंबन मुक्त किए जाने से विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 350 छात्राओं को राहत मिल गई है। गौरतलब हो कि इसके पहले बोर्ड द्वारा इस विद्यालय को निलंबित किए जाने से यहां पढ़ने वाली छात्राओं का भविष्य अंधकारमय हो गया था, जबकि स्कूल प्रबंधन अभिभावकों पर इंग्लिश मीडियम में नामांकन कराने का दबाव बना रहा था।

दो पक्षों के बीच मारपीट, 12 पर केस दर्ज

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के करुअज गांव में मवेशी के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों के छह लोग जख्मी हो गये। जिनका इलाज कराया गया। जानकारी के अनुसार एक पक्ष के फिरोज खान ने पुलिस को बताया है कि उसके मवेश के बच्चे की पिटाई दूसरे पक्ष ने कर दी। जिस वजह से उसकी मौत हो गयी। इस बात की शिकायत करने पर आरोपितों ने लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। जिसमें तीन लोग जख्मी हो गये। इस मामले में पीड़ित ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। वहीं दूसरे पक्ष की फूलकुमारी ने पुलिस को बताया है कि उनके साथ गाली-गलौज करते हुए उनके दोनों बेटों की पिटाई कर दी गयी। इस घटना में तीन लोग जख्मी हो गये। इस मामले में पीड़िता ने छह पर केस दर्ज कराया है।

संक्षिप्त समाचार

देर रात ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ चला जिला प्रशासन का अभियान, कई के चालान कटे

रांची , एजेंसी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सोमवार की देर रात जिला प्रशासन ने अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहन चालक ऐसे मिले, जिन्होंने शराब पी रखी थी। ऐसे लोगों का चलान काटा गया। जुर्माना (फाइन) की वसूली की गई। जानकारी के मुताबिक रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर 17 मार्च की देर रात रांची शहर के विभिन्न इलाकों में ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व डीटीओ अखिलेश कुमार कर रहे थे। जांच के दौरान वाहन चालकों से कहा गया कि वह वाहन चलाते वक्त सुरक्षा नियमों का पालन करें। खुद सुरक्षित रहें और दूसरों के लिए भी खतरा ना बनते हुए उन्हें सुरक्षित रखें। इस दौरान जो लोग शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए, उनसे फाइन वसूला गया और अपील किया गया कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, क्योंकि उनकी जिंदगी उनके परिवार के लिए जरुरी है। प्रशासन ने जारी बयान में कहा है कि आगे भी इस तरह का अभियान चलता रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शराब पीकर वाहन चलाने वाले सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाते हैं। इस तरह का अभियान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चलाया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वह अभियान के दौरान सहयोग करें।

कस्तूरबा विद्यालय के भवन निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग

गिरिडीह, एजेंसी। गावां प्रखंड के माल्डा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सर्व शिक्षा अभियान की ओर से अतिरिक्त कमरों का निर्माण कराया जा रहा है। इस पर 56767377 रुपये खर्च होंगे। निर्माण में घटिया ईंट व अन्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। भवन निर्माण में अनियमितता की चर्चा जोरों पर हो रही है। लोगों की शिकायत पर कांग्रेस नेता मरगूब आलम ने सोमवार को विद्यालय पहुंचकर निर्माण कार्य का जायजा लिया। वहां काम करवा रहे मुंशी से पूछताछ की। उन्होंने निर्माण स्थल की मापी भी कराई, जिसमें तय प्राक्कलन में काफी अंतर पाया गया। वायरिंग में भी घटिया व कमजोर तार का प्रयोग किया जा रहा था। ईंट का स्तर भी निम्न पाया गया। मरगूब आलम ने मुंशी से ईंट व अन्य सामग्री के बिल की मांग की। लेकिन उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया। कार्यस्थल पर प्राक्कलन का बोर्ड भी नहीं दिखा। मरगूब आलम ने जेई को फोन कर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि मामले की राज्य सरकार के वरीय अधिकारियों से लिखित शिकायत की जाएगी।

विधानसभा इलाके में रेलवे ट्रैक पर महिला का शव बरामद

रांची , एजेंसी। रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव बरामद हुआ है। यह मामला राजधानी रांची के विधानसभा थाना क्षेत्र स्थित नयासराय टुण्ढुल के पास की है। जहां मंगलवार की सुबह डोरिया टोली रेलवे लाइन से एक महिला का शव मिला है। महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया है। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो पायी है। आशंका जतायी जा रही है कि महिला की मौत ट्रेन से गिरकर या फिर ट्रेन की चपेट में आकर हुई है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ तीन गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। अरगोड़ा पुलिस ने खरसीदाग ओपी क्षेत्र के भुसुर स्थित एक गैराज में छापा मारकर चोरी की एक आर-15 मोटरसाइकिल के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमन कुमार (25 वर्ष) एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के चंदाघासी का रहनेवाला है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि चोरी की मोटरसाइकिल को बेचने के पहले वह गैराज लाया था, ताकि बाइक का लॉक व आगे का हिस्सा बदल दे। उसने बताया कि न्यू पीपरटोली निवासी और जोमैटो में काम करने वाले संतोष लकड़ा के साथ मिलकर वह बाइक चोरी करने का काम करता है। चोरी की बाइक बेचने के एवज में वह हमें अच्छा कमीशन देता है। चोरी की बाइक बेचने के आरोप में संतोष लकड़ा पहले भी जेल जा चुका है। इसके बाद अमन की निशानदेही पर चंदाघासी में छापेमारी कर चोरी की आरसी 200 केटीएम बाइक बरामद की गयी।

ननि चुनाव की विसंगतियों को दूर करने के लिए राजीव गांधी पंचायती राज संगठन आज से शुरू करेगा पदयात्रा

रांची, एजेंसी। कांग्रेस की अग्रणी आर्गेनाईजेशन में से एक राजीव गांधी पंचायती राज संगठन 19 मार्च से राज्य में पदयात्रा शुरू करेगा। 19 से 22 मार्च तक यह पदयात्रा निकाली जायेगी। झारखंड प्रदेश कार्यालय में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुमित शर्मा और प्रदेश प्रवक्ता शांतनु मिश्रा ने इस चार दिवसीय पदयात्रा की जानकारी दी। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पदयात्रा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव से शुरू होगी और इसका समापन रांची के मोराबादी स्थित बापू वाटिका में होगा।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सुमित शर्मा ने कहा कि राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के द्वारा पदयात्रा के दौरान झारखंड में घट रहे वन संपदा, नदियों की स्थिति, पाताल लोक में जाता भूगर्भ जल जैसे मुद्दों को भी उठाया जाएगा। पंचायती राज अधिनियम को पूर्ण रूप से लागू करने, नगर निकाय चुनावों में पूर्व के भाजपा सरकार द्वारा बनाये गए नियमों जैसे उम्र और तीन बच्चों वाले प्रावधान को बदलने की मांग भी पदयात्रा के प्रमुख बिंदु होंगे।

राज्य में घट रहा है वनक्षेत्र : सुमित शर्मा ने कहा कि वन विभाग के आंकड़ों में झारखंड के कुल क्षेत्रफल का 29 प्रतिशत वन क्षेत्र है जबकि वास्तविकता यह है कि राज्य में लगभग 20त्न भूमि पर ही जंगल बचा है, शेष जमीन बंजर है। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 में कहा गया है कि कुल क्षेत्रफल का 33त्न क्षेत्र वन से आच्छादित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण और इसके नाम दोनों में यह स्पष्ट है कि झारखंड एक वनाच्छादित है। राज्य में लगातार जंगलों की कटाई हो रही है और नए पौधे नहीं लगाए जा रहे हैं। सरकार की उदासीनता का सीधा असर राज्य में रहने वाले आदिवासी और मूलवासियों के जीवन पर पड़ रहा है। वन अधिकार अधिनियम 2006 आम नागरिकों को अधिकार देता है कि वह अपना जीवन यापन अपने क्षेत्र के वन से पूरा करेंगे। लेकिन जब राज्य में जंगल ही नहीं बचेगा तो जंगल पर निर्भर रहने वाले आदिवासी और मूलवासी के जीवन में संकट होना निश्चित है।

खनन और अवैध कटाई को रोकना : आज इस राज्य में खनन और अवैध कटाई से जंगल समाप्त हो रहे हैं। सुमित शर्मा ने कहा कि 19 मार्च से निकलने वाली पदयात्रा जिन- जिन क्षेत्रों से गुजरेगी उन क्षेत्रों में जंगल को बचाने, पौधे लगाने, नदियों और पहाड़ों को संरक्षित करने के लिए लोगों में जन चेतना लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा झारखंड में पेयजल की समस्या रही है, यहां कोई बड़ी नदी नहीं है ऐसे में जल जीवन मिशन के माध्यम से भूगर्भ जल का दोहन हो रहा है, लेकिन उसके संचय की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है, इस ओर भी पदयात्रा के माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाया जाएगा।

राज्य में पेसा कानून 1996 लागू करना : पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से राज्य में पेसा अधिनियम 1996 को पूर्ण रूप से लागू करना, पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों को 73 वें और 74 वें संविधान संशोधन से प्रदत्त 29 विभागों के अधिकार मिलें इसके लिए भी आवाज बुलंद की जाएगी।

नगर निकाय और पंचायतों की स्वायत्तता ही पदयात्रा का उद्देश्य-शांतनु मिश्रा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता शांतनु मिश्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नगर निकाय एवं पंचायत की पहचान बची रहे, यह इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। नगर निकाय चुनाव की अनियमितताएं को दूर करना (जैसे 30 वर्ष की आयु सीमा से कम व्यक्ति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव लड़ने पर पाबंदी) को खत्म करना, रघुवर सरकार के प्रावधान जिसमें 9 फरवरी 2013 के बाद जिस व्यक्ति के तीन बच्चे हों उन्हें चुनाव लड़ने से रोकना, यह प्रतिनिधित्व के अधिकार का हनन है, इसे समाप्त करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी पंचायती राज संगठन इस बात का विरोध करता है कि किसी भी व्यक्ति को उसके बच्चों के आधार पर या उसकी उम्र सीमा के आधार पर चुनाव लड़ने से रोका जाए। पदयात्रा के माध्यम से इन मुख्य बिंदुओं पर जनता का ध्यान आकृष्ट कराते हुए एक वैचारिक जनसमूह का निर्माण करने की कोशिश होगी। पदयात्रा के समापन के बाद राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

साइकिल सवार पर पलटा बोल्डर लदा ट्रक

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना अंतर्गत रंगडीह मोड़ पुलिया के निकट रविवार की सुबह करीब आठ बजे ट्रक की चपेट में आने से बलियापुर थाना अंतर्गत प्रधानखंता निवासी साइकिल सवार 45 वर्षीय असीम कुमार महतो की मौत हो गयी। वह रंगडीह के एक क्रशर से सिक्यूरिटी गार्ड की ड्यूटी कर साइकिल से घर जा रहे थे। उसी वक्त बोल्डर लदा ट्रक (एलएन 01 एल/ 5619) असंतुलित होकर पलट गया। ट्रक इस तरह पलटा कि साइकिल समेत असीम कुमार को अपनी चपेट में लेते हुए खाई में गिर गया। इससे घटनास्थल पर ही असीम की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही गोविंदपुर पुलिस पहुंची और दो हाइड्रा मंगाकर ट्रक को किनारे कर शव को बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया गया। ट्रक को जब्त कर लिया गया है। असीम अपने पीछे पत्नी, 20 वर्षीय पुत्र बंटी महतो व 18 साल की पुत्री बबली कुमारी को छोड़ गये हैं। घटना की सूचना पाकर प्रधानखंता पंचायत के मुखिया कन्हाई बनर्जी, विद्युत चक्रवर्ती, फनी गोराई, विशाल गुप्ता, काबलू गोराई, अशोक महतो, जग्गू महतो, आशीष महतो आदि पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

धनबाद एसएनएमएमसीएच में डे केयर सेंटर की शुरुआत, स्वास्थ्य मंत्री ने ऑनलाइन किया उद्घाटन

धनबाद, एजेंसी। जिला के मेडिकल अस्पताल के पीजी बिल्डिंग में सोमवार को डे केयर सेंटर शुरू की गयी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने मोबाइल पर ऑनलाइन डे केयर सेंटर के बारे जानकारी ली। साथ ही डॉक्टर को कई निर्देश भी दिए।

इस मौके पर अस्पताल अधीक्षक डॉ। डीके गिंदोरिया ने मीडिया को बताया कि डे केयर सेंटर शुरू कर दिया गया है। इसके लिए कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है। बता दें कि लगभग 700 बेड वाले मेडिकल अस्पताल में डे केयर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके नहीं रहने के कारण यहां उन मरीजों को भर्ती कर इलाज करने में परेशानी होती है, जिन्हें दो-चार घंटे रखना होता है।

हीमोफीलिया के मरीजों को इंजेक्शन लगाने के दौरान कुछ घंटों के लिए रखना होता है। इसी तरह थैलेसीमिया के मरीजों को उतनी ही देर भर्ती करना होता है। जितनी देर उन्हें खून चढ़ता है। ऐसे में इस डे केयर के शुरू हो जाने से ऐसे मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है।

इसी तरह पेन (दर्द) मैनेजमेंट समेत अन्य मरीजों को भी कुछ देर के लिए भर्ती करने की जरूरत होती है। डे केयर सेंटर नहीं होने के कारण इन मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड मिलने में काफी परेशानी होती है। इन्हें किसी न किसी विभाग के बेड में भर्ती किया जाता है। बेड नहीं रहने की स्थिति में परेशानी काफी अधिक झेलनी पड़ती है।

भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज ने राज्य सरकार पर महिलाओं के साथ छल करने का लगाया आरोप, आंदोलन की चेतावनी

रांची, एजेंसी। एक ओर जहां राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना के तहत होली के मौके पर राज्य की माताओं और बहनों के खाते में एक साथ तीन महीने के 7500 रुपये जारी होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल भाजपा ने सरकार पर राज्य की महिलाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। झारखंड भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने हेमंत सरकार पर 18 लाख महिलाओं की मंईयां सम्मान योजना की राशि रोकने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह सरकार महिलाओं के साथ सम्मान के नाम पर छल और विश्वासघात कर रही है।

सरकार ने 18 लाख महिलाओं के हक को कुचला: राफिया

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए राफिया नाज ने कहा कि यह केवल एक झूठा वादा था कि सभी महिलाओं को मंईयां सम्मान की राशि मिलेगी, ठीक उसी तरह जिस तरह से 450 रुपये में गैस सिलिंडर की घोषणा की गई थी। राफिया ने कहा कि महिला सम्मान की बात करने वाली सरकार ने 18 लाख माताओं, बहनों और बेटियों के हक को कुचला है। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर ना तो काम कर रहे हैं और ना ही वेबसाइट। सरकार इन समस्याओं का समाधान करने के बजाय केवल लोगों को ठगने में व्यस्त है।

भाजपा करेगी वादाखिलाफी के खिलाफ आंदोलन

मंईयां सम्मान योजना से राज्य की 18 लाख महिलाओं को वंचित किए जाने के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने आंदोलन की चेतावनी दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा है कि यह सरकार महिलाओं को ना तो न्याय दिला पा रही है, ना शिक्षा और ना ही सुरक्षा, बल्कि उन्हें छलने का काम कर रही है। इसलिए अब तक न तो महिला आयोग का गठन हुआ है और न ही धरातल पर महिलाओं को सशक्त करने के लिए एक भी योजना उतारी गई है।

चाहे 2000 रुपये चूल्हा खर्च देने की बात हो, 2500 रुपये विधवा-वृद्धा पेंशन देने की बात हो, बेटियों की मुफ्त शिक्षा देने की बात हो या महिला बैंक खोलने की बात हो। सरकार कोई भी वादा पूरा नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि यदि सभी महिलाओं को जल्द मंईयां सम्मान की राशि नहीं मिली, तो भाजपा चरणबद्ध आंदोलन करेगी और यह मुद्दा हर घर, हर गली तक पहुंचेगा।

राफिया नाज ने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का कहना था कि 'मंईयां सम्मान योजना' के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है और बजट में झारखंड सरकार ने 1।45 लाख करोड़ का बजट मंईयां सम्मान के लिए पेश किया है। राफिया ने सवालिया लहजे में कहा कि तो फिर 18 लाख महिलाओं को उनकी राशि क्यों नहीं दी गई क्या यह सरकार महिलाओं का अपमान करने का काम कर रही है।

मंईयां सम्मान योजना ने बढ़ाई एक और टेंशन, अब इन महिलाओं के भी कटे नाम

जामताड़ा, एजेंसी। होली से पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को एक साथ तीन महीने का 7500 रुपये खाता में आया। जिस लाभुक को मोइबाल में मैसेज नहीं आया वह सोमवार को कार्यालय खुलते ही जानकारी लेने पहुंचे। इससे जिला मुख्यालय व प्रखंड कार्यालय में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की जानकारी लेने के लिए महिला व पुरुषों की भीड़ लगी रही।

सोमवार को काफी संख्या में महिलाएं जिला व प्रखंड कार्यालय पहुंची थी। समाहरणालय स्थित सामाजिक सुरक्षा कोषांग कार्यालय में सुबह से भीड़ लगी। महिलाओं से अधिक संख्या पुरुषों की थी। सभी अपनी पत्नी का आधार कार्ड व बैंक खाता लेकर पहुंचे थे। बस एक ही जनाना था कि पैसा कब आएगा या नाम कट गया। यहां आपरेटर जितेंद्र भैया व सुनील कुमार लोगों को जानकारी देने में जुटे थे।

अब नई तरह की परेशानी से टेंशन में लाभुक : भुगतान प्रोसेस नहीं होकर नाम कटने वाले लाभुक मायूस नजर आए। उन्होंने कहा कि यहां तो एक नई तरह की परेशानी आ गई है। उनका कहना है कि पहले सरकार ने सभी को लाभ दिया। लेकिन अब नाम में गलती रहने पर भी लाभुक सूची से नाम हटा दिया जा रहा है। यह सरकार को पहले ही तय कर लेना चाहिए। साथ निदान भी नहीं बताया जा रहा है। इससे योजना का लाभ पाकर खुश थे अब नाम कटने से दुखी हैं।

जामताड़ा के नारायणपुर प्रखंड में सोमवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की जानकारी लेने के लिए महिलाओं की भीड़ हुई। सोमवार को काफी संख्या में महिलाएं पहुंची थी। यहां कर्मी चंदन दास से योजना की जानकारी ली। लाइन में महिलाओं के अलावा पुरुष भी लगे थे।

बताया कि अपने घर की महिलाओं से संबंधित जानकारी लेने आए हैं। गौरतलब है कि सरकार द्वारा अयोग्य लाभुकों का नाम मंईयां सम्मान योजना की सूची से हटाई गई है तथा खाता व अन्य कुछ कारणों के कारण कुछ महिलाओं की राशि नहीं आई है। सटीक जानकारी पाने के लिए महिलाएं आई थी, ताकि जानकारी मिल पाए कि राशि नहीं आने का कारण क्या है।

रांची की यह फेमस ट्रेन अप्रैल में 13 दिन रहेगी कैंसिल

धनबाद, एजेंसी। अगले माह एक बार फिर 13 दिनों तक रेलसेवा अस्त-व्यस्त रहेगी। रांची से धनबाद होते हुए चलने वाली दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस अप्रैल माह में दोनों ओर से पांच-पांच दिन रद रहेगी। कई दूसरी ट्रेनों के पहिए भी थमे रहेंगे। दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस में कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल है। बुकिंग खुलते ही सीटें भर जाती हैं। ऐसे में जिन यात्रियों ने पहले से टिकट बुक कराया है। उन्हें विकल्प ढूंढ़ना होगा।

रेलवे की ओर से बताया गया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेल के रायगढ़-झारसुगड़ा के बीच कोटरलिया स्टेशन पर तीसरी व चौथी लाइन को मुख्य रेल मार्ग से जोड़ने के लिए 11 से 24 अप्रैल तक ब्लॉक लिया जएगा। इस दौरान कई ट्रेनें अस्थायी रूप से रद रहेंगी। कुछ ट्रेनों को मार्ग बदल कर चलाया जाएगा।

होली का त्योहार खत्म होने के बाद रोजगार की तलाश में लोग फिर से मुबंई, दिल्ली, कोलकता, जयपुर, चेन्नई समेत अन्य बड़े शहरों के लिए ट्रेनों से निकल रहे हैं। कोडरमा जंक्शन से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में रविवार एवं सोमवार को काफी भीड़ रही।

होली पर घर आने वाले कामकाजी अब परदेस लौटने लगे हैं। कोडरमा जंक्शन से नई दिल्ली जा रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में रेल यात्रियों की भीड़ देखने को मिली।

विशेषकर लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी वेटिंग लिस्ट होने से यात्री काफी परेशान हैं। कोडरमा जंक्शन पर हजारीबाग, गिरिडीह, रामगढ, बिहार के रजौली, नवादा समेत कई शहरों से यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए आए। कोडरमा जंक्शन से विभिन्न रूटों के लिए चलने वाली मेमू, पैसेंजर के अलावा गया से धनबाद रेलखंड पर चलने वाली ट्रेनों में भी काफी भीड़ रही। हटिया-पटना जनशताब्दी, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में रेल यात्रियों की भीड़ देखने को मिली। जंक्शन से गुजरने वाली एक्सप्रेस एवं पैसेंजर मेमू ट्रेनों में सीढ़ियों पर बैठ कर लोग यात्रा करते दिखे।

सदन में गूंजा गिरिडीह में होली के दिन उपद्रव का मामला, नेता प्रतिपक्ष ने की चर्चा की मांग

रांची, एजेंसी। होली की छुट्टी के बाद शुरू हुई बजट सत्र के प्रश्नकाल की कार्यवाही गिरिडीह हिंसा की भेंट चढ़ गई। सूचना के तहत नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आसन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए पूरे मामले से सदन को अवगत कराया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गिरिडीह के धनवार थाना क्षेत्र के घोड़थंबा में रंग-गुलाल खेल रही युवाओं की टोली को पुलिस ने जबरन रोका। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने पेट्रोल बम, पत्थर से हमला बोल दिया। कई दुकानों और गाड़ियों को फूंक दिया लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बाद में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराया, जिसमें दोनों पक्ष के 40-40 लोगों को नामजद बनाया गया। गिरफ्तारी भी दोनों पक्ष से 11-11 लोगों की हुई। इससे पुलिस की मंशा झलक रही है। लिहाजा, प्रश्नकाल की कार्यवाही स्थगित कर विधि व्यवस्था पर विशेष चर्चा करने की जरूरत है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि होली जुलूस में शामिल लोग खाली हाथ थे। अब पुलिस रात में घरों में घुसकर निर्दोषों को गिरफ्तार कर रही है।

इसपर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि ऐसे मामलों की चर्चा गृह विभाग के अनुदान मांगों के दिन करना चाहिए। ऐसे मामलों पर राजनीति करना सही नहीं है। वहीं प्रदीप यादव ने कहा कि होली के दिन एकरा मस्जिद और बजरंग दल के लोगों ने एक साथ होली खेलकर मिसाल कायम की है लेकिन गिरिडीह में साजिश के तहत माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पूरे घटनाक्रम का एकपक्षीय चित्रण किया जा रहा है। इस मामले में प्रशासन ने संयम दिखाया था। उस जुलूस में कौन लोग थे जो प्रशासन से हाथापाई कर रहे थे। इस बीच भाजपा के विधायक वेल में हंगामा करते रहे। सरकार के खिलाफ नारेबाजी होती रही।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने प्रश्नकाल की कार्यवाही चलाने की पूरी कोशिश की लेकिन विपक्ष के हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही 12:00 बजे तक के स्थगित करनी पड़ी

कब बनेगी सड़कें, बरसों से पड़ी है अधूरी सड़क, ग्रामीण परेशान

लातेहार, एजेंसी। जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना मजाक बनकर रह गई है। जिले के विभिन्न प्रखंडों में कई ऐसी ग्रामीण सड़के हैं जो वर्षों से अधूरी पड़ी हुई हैं। सड़क निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण करने के प्रति ना तो जिला प्रशासन के अधिकारी सक्रिय दिख रहा है और ना ही विभागीय अधिकारी ही इस पर कोई कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।

दरअसल लातेहार जिले के विभिन्न गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण की स्वीकृति की गई थी। ग्रामीण सड़क योजनाओं का शिलान्यास भी हुआ और निर्माण कार्य आरंभ भी किया गया। परंतु बरसों बीत जाने के बावजूद सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं हो सका। अधूरी सड़कों के कुछ उदाहरण निम्न सड़कें हैं।

लातेहार सदर प्रखंड के जगलदगा गांव को बनहरदी से जोड़ने के लिए 3 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना आरंभ की गई थी। सड़क को 1 साल के अंदर पूर्ण करना था। परंतु 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण का 10त्न कार्य भी नहीं हो पाया। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक के द्वारा सड़क में सिर्फ मिट्टी की कटाई कर छोड़ दिया गया। जिसके कारण इस पर अब पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

सदर प्रखंड के कोने गांव से नरेशगढ़ गांव तक सड़क निर्माण का कार्य 3 वर्ष पहले आरंभ किया गया था। परंतु इस सड़क का निर्माण कार्य भी अब तक पूरा नहीं हो पाया है। इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण आदिवासी बहुल गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने के लिए किया गया था। सड़क का निर्माण अधूरा रहने से लोग काफी परेशान हैं। 3 वर्ष पहले ही लातेहार के अत्यंत दूरस्थ पंचायत पेशरार को रिचुघुटा स्टेशन से जोड़ने के लिए ग्रामीण सड़क योजना स्वीकृत की गई थी और इसका शिलान्यास भी हो गया था। परंतु संवेदक की लापरवाही के कारण यह सड़क भी आज तक अधूरी पड़ी हुई है। पेशरार पंचायत काफी पिछड़ा हुआ इलाका माना जाता है। इस सड़क के निर्माण होने से इस पंचायत में आवागमन आसान हो सकता था। जिले के गारू प्रखंड के अंतर्गत बारेसांढ़ से मायापुर तक बन रही 4 किलोमीटर की ग्रामीण सड़क तथा पहाड़कोचा से रामशैली तक 5 किमी की सड़क योजना 4 वर्षों में भी पूरी नहीं हो पाई है। संवेदक की इस लापरवाही के कारण ग्रामीणों को आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां बताते चलें कि वित्तीय वर्ष 21 - 22 में दोनों सड़कों का शिलान्यास किया गया था।

सुभाषितम्

तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता, सूर्य, चन्द्रमा और सत्य। - गौतम बुद्ध

पाकिस्तानी सेना के ऊपर 48 घंटे में 57 हमले

सत्ता के आतंक और नेताओं के भ्रष्टाचार ने सारी दुनिया के देशों में सरकारों के खिलाफ जन विद्रोह की स्थिति पैदा कर दी है। दुनिया के अधिकांश देश इस समय आतंकवादी संगठनों तथा जनता की नाराजी को झेल रहे हैं। कई देशों में सत्ता बार-बार बदल रही है राजनीतिक स्थिरता खत्म होती जा रही है हाल ही में पाकिस्तान की बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करके पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ा दी। पाकिस्तान की फौज ने 40 घंटा तक ऑपरेशन चलाकर जैसे -तैसे ट्रेन को छुड़ाया, इसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जिसमें सेना के जवान भी शामिल थे। इस घटना के बाद बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी फौज के काफिले पर हमला कर दिया। 90 जवानों को मार डालने का दावा आतंकवादी संगठन द्वारा किया गया है। 48 घंटे के अंदर आतंकवादी संगठनों ने 50 से ज्यादा हमले पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी पर किए हैं। जिससे प्रतीत होता है कि पाकिस्तान गृह युद्ध में फंस गया है। शनिवार और रविवार को 57 हमले सेना पर हुए हैं। पाकिस्तान सरकार ने 16 लोगों की मौत और 40 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इसमें ट्रेन हाईजैक के बाद आत्मघाती बम विस्फोट सबसे घातक हमला माना गया है। पाकिस्तान के तीन प्रांतों के 23 जिलों में लगातार हिंसक वारदाते हुई है। बलूचिस्तान से जो चिंगारी शुरू हुई, उसकी लपटे अन्य प्रांतो में भी पहुंचने लगी है। पाकिस्तान की सरकार को इन दिनों तीन मोर्चे पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। बीएलए ओर टीटीपी के साथ अब अफगानिस्तान बॉर्डर पर भी पाकिस्तान की सेना को लड़ना पड रहा है। अफगान के रास्ते पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी हो रही है। जिस पर सेना नियंत्रण नहीं कर पा रही है। पाकिस्तान की सरकार पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही है। राजनीतिक अस्थिरता भी पाकिस्तान का संकट बढ़ा रही है। सरकार आतंकवाद को दबाने का जितना प्रयास कर रही है, उससे ज्यादा आतंकवाद फैल रहा है। एक मच्छर भी जीना हराम कर देता है। पाकिस्तान की सरकार और सेना ने आम पब्लिक के ऊपर जो कहर पिछले कुछ वर्षों में बरपाया है। उसके कारण अब आतंकी संगठन हिंसक विरोध कर रहे हैं। जिसके कारण पाकिस्तान सरकार की रातों की नींद और दिन का चैन हराम हो गया है। पाकिस्तान में जिस तेजी के साथ महंगाई, आर्थिक संकटऔर बेरोजगारी बढ़ रही है। उसके कारण पाकिस्तान की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। ऐसा लग रहा है, पाकिस्तान एक बार फिर विभाजन के कगार पर खड़ा हो गया है। सेना और सरकार राजनीतिक तरीके से मामलों को सुलझाने में पूरी तरह से असफल साबित हो रही है। जिसके कारण अब पाकिस्तान के दो टुकड़े होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वाह के कई इलाकों में आतंकवादियों ने कब्जा कर लिया है। अफगानिस्तान में तालिबानियों का कब्जा होने के बाद आतंकवादी संगठन पाकिस्तान में काफी मजबूत हो गए हैं। आतंकवादी ताकत के साथ सत्ता तक पहुंचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उसमें उन्हें सफलता मिलती हुई दिख रही है। कहा जाता है, अति सर्वत्र वर्जयते, पहले पाकिस्तान की सरकार और सेना ने दमन की पराकाष्ठा को पार किया। अब नाराज जनता और आतंकवादी संगठन मिलकर पाकिस्तान की सरकार को सबक सिखा रहे हैं। श्रीलंका, बंग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान में अराजक्ता की स्थिति पैदा हो गई है। पड़ोसी देश होने के कारण इसका असर भारत में पी पड़ना तय है। भारत के सीमावर्ती राज्य जम्मू -कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्य, राजस्थान और गुजरात के कुछ इलाकों में इसका असर पड़ना तय है। भारत सरकार को सीमा पर अपनी सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।

फिल्म छावा ने इतिहास के काले पन्नों को उजागर किया

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

कभी-कभी फिल्में भी हमारे जीवन में व्यापक प्रभाव डाल जाती हैं। हाल ही में प्रदर्शित हुई छावा फिल्म ने भी एक मजबूत पटकथा के चलते भारतीय जनमानस के मन मस्तिष्क को झकझोर के रख दिया है। इस फिल्म को देखने के बाद देश के वे नागरिक भी मुगल आक्रांताओं की अमानुषिकता से परिचित हुए, जिन्हें किसी कारणवश इतिहास पढ़ने का अवसर नहीं मिला। हालांकि इतिहास के छात्रों और इसमें रुचि रखने वालों को पहले से ही यह मालूम था कि मंगोल से भारत आए लुटेरों ने कैसे सैकड़ो सालों तक इस देश को लूटा। लूटा ही नहीं बल्कि इसे रक्त रंजित भी किया। यह लिखना भी अतियोक्ति नहीं होगी कि उन बहशी लोगों ने अत्याचारों की सभी सीमाएं लांघीं। देश की जिन विभूतियों ने भी ज्यादती, अमानुषिकता और बहशीपन का विरोध किया, उनके साथ तो इतना बर्बर व्यवहार किया गया कि जो देख ले उसी की रूह कांप जाए। फिर अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत के जिन महान सपूतों ने यह सब भुगता उन पर क्या बीती होगी। लेकिन धन्य हैं वे माताएं, जिनके सपूतों ने देश का गौरव बचाए रखने के लिए सर तो दे दिए किंतु सार नहीं जाने दिया?। जी हां, हम बात कर रहे हैं गुरु तेग बहादुर सिंह जी की। सिखों के नौवें गुरु की जान बच सकती थी, बशर्ते वो मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लेते। तत्कालीन क्रूर शासक औरंगजेब यही तो चाहता था। वह जानता था कि गुरु तेग बहादुर के घुटने टिकते ही सारा युद्ध थम जाएगा, जो भारतीय अस्मिता को बचाने के लिए गुरु तेग बहादुर जी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर लड़ा जा रहा था। स्वयं गुरुजी साहब को भी यह आभास था कि यदि वह जरा भी लड़खड़ाए तो हर हाल में आजादी पाने की जो आग भारतीय सपूतों के दिलों में धधक उठी है, वह असमय ही शांत हो जाएगी। अतः उन्होंने धर्म खोना स्वीकार नहीं किया, तब भी जबकि उन्हें बार-बार चेताया गया कि यदि तुम हिंदू धर्म को बचाने की जंग नहीं छोड़ोगे तो वीभत्स मौत के भागी बनोगे और यदि मुसलमान बन गए तो तुम्हें माफ कर दिया जाएगा। फिर भी गुरु तेग बहादुर अपने धर्म से नहीं डिगे तो बुरी तरह बौखला उठे औरंगजेब ने उनका शीश धड़ से अलग कर दिया।

औरंगजेब की यह एकमात्र क्रूर कहानी नहीं है। उसका तो पूरा जीवन ही भारतीय संस्कृति की आत्मा को लहूलुहान करने वाला रहा है। जहां भी उसे सनातन के गौरवशाली चिन्ह दिखाई दिए, उन्हें ध्वस्त करता चला गया। इससे भी जी नहीं भरा तो उसने एक ऐसे जजिया कर ईजाद किया जो केवल और केवल हिंदुओं द्वारा ही भरा जाना था। जो ना भर सके, उनमें से किसी को दर्दनाक मौत मिली तो किसी के घर की जवान महिलाओं को उठा लिया गया। यानि उसने हर वह काम किया जिससे भारतवर्ष के असल सपूतों को तकलीफ पहुंचती हो। उसकी इन्हीं ज्यादतियों का विरोध हिंदू हृदय सम्राट वीर शिवाजी ने जमकर किया और औरंगजेब को नाकों चने चबाने को मजबूर करते रहे। इस क्रम को उनके वीर सपूत संभाजी राव ने भी बनाए रखा। संभाजी राव तो औरंगजेब को इतना आतंकित कर चुके थे कि वह जीवन भर उनका सामना तक करने से बचता रहा। यह हाल भी तब था जब वीर संभाजी राव के पास सैनिक केवल हजारों की तादाद में थे तो औरंगजेब के पास लाखों की सेना उपलब्ध रहा करती थी। फिर भी औरंगजेब सीधे-सीधे संभाजी राव से ना भिड़ सका तो उसने चंद गद्दारों को साथ मिलाकर धोखे से संभाजी राव को बंदी बना लिया। लेकिन उसकी यह उत्कंठा फिर भी धरी की धरी रह गई कि कैद में आने के बाद संभाजी महाराज का सिर उसके नापाक पैरों में झुक जाएगा। इस भारतीय स्वाभिमान से औरंगजेब ऐसा बौखलाया कि उसने संभाजी राव को मोटी-मोटी जंजीरों से बंधवाकर उन्हें मौत का भय दिखाया। यह प्रलोभन भी दिया कि मुसलमान बन जाओ तो जान बख्श देंगे। लेकिन शेर के इस वीर सपूत ने भी गुरु तेग बहादुर और वीर शिवाजी महाराज की तरह मरना पसंद किया। लेकिन भारतीय स्वाभिमान को नहीं झुकने दिया।

इससे बुरी तरह बौखलाए औरंगजेब ने पूरे 40 दिनों तक पाश्विक अत्याचार का नंगा नाच किया। संभाजी महाराज का ऐसा कोई अंग नहीं बचा जिसे हथियारों से बींधा ना गया हो। आंखें फोड़ दी गईं, खाल खींच ली गई, जीभ निकाल दी गई, नाखूनों को एक-एक करके उखाड़ा गया। इतना सब करने पर भी औरंगजेब संभाजी महाराज को झुके हुए सिर को देखने की लालसा पूरी न कर पाया और इस जद्दोजहद में खुद कायराना मौत का शिकार बन गया। यह जानकर आश्चर्य होता है कि ऐसे पाश्विक कृत्य के आदी औरंगजेब की हिमायत करने वाले हमारे देश में ही मौजूद हैं और पूरी बेशर्मी के साथ टेलीविजन चैनलों पर उसे रहम दिल, हिंदुओं के मंदिर बनवाने वाला और धर्मनिरपेक्ष शासक साबित करने में जुटे हुए हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह लोग औरंगजेब को मुसलमानियत से जोड़कर पेश कर रहे हैं। उस औरंगजेब को, जिसने राजगद्दी हासिल करने के लिए अपने पिता शाहजहां को कैदखाने में मरने के लिए छोड़ दिया और उसे एक-एक बूंद पानी के लिए तरसा कर रख दिया। इसे शैतानियत नहीं तो और क्या कहेंगे कि औरंगजेब ने अपने भाई का सिर कलम करके उसे थाली में सजाकर पिता के सामने पेश कर दिया। आखिर ऐसे व्यक्ति को कोई मुसलमान अथवा इंसान भी कैसे मान सकता है। लेकिन यह शर्मनाक हरकत अवसरवादी नेता और मुस्लिम जमात के कुछ स्वयंभू ठेकेदार डंके की चोट पर कर रहे हैं। क्योंकि उन्हें लगता है, औरंगजेब का महिमा मंडन करने से मुसलमान खुश हो जाएंगे और उन्हें अपने पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। अपवाद छोड़ दें तो आम मुस्लिम समाज की ओर से ऐसी बेजा हरकतों का स्पष्ट विरोध तक नहीं होता। इससे हिंदुओं का भय दिखाकर मुसलमानों को बरगलाने वाले कट्टरवादियों की हिम्मत बढ़ती चली जाती है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि मुसलमान भाइयों को भी गलत को गलत कहने की शुरूआत करनी चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि उनके तुष्टिकरण की आड़ में उन्हीं की जमात के कुछ ठेकेदार सत्ता लोलुप तथा कथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के साथ मिलकर दलाली कमाने में लगे हुए हैं। जबकि उनका मुसलमानों की भलाई से कोई लेना-देना नहीं है।

ट्रम्प द्वारा टैरिफ सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में दिनांक 20 जनवरी 2025 को नव निर्वाचित राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत ट्रम्प प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा। ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि ह्नटिट फोर टेटह्न एवं ह्नरेसिप्रोकलह्न आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुक्सान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुक्सान हो। डेरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराईल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है। अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूढे जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में 8वां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्स्टायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है। यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाईयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुक्सान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं। अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में इक तरफा कार्यवाही अमेरिका की अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है।

प्रेम व सद्भाव का प्रतीक बना होली का त्यौहार

तनवीर जाफरी

भारत की सांझी गंगा यमुनी तहजीब का दर्शन कराने वाला होली का त्यौहार न केवल शांन्ति से गुजर गया बल्कि इस बार की होली प्रेम व सद्भाव की ऐसी मिसाल पेश कर गयी जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यह देश सांझी संस्कृति व सांझे त्योहारों का देश है। यह देश अनेकता में एकता की मिसाल पेश करने वाला देश है। यह देश हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई आदि सभी धर्मों व समुदायों में परस्पर एकता की मिसाल पेश करने वाला देश है। दरअसल इस बार का होली का त्यौहार देश के अमन पसंद लोगों के लिये कई कारणों से चिंता का सबब बना हुआ था। सबसे पहली बात तो यह थी कि केंद्र से लेकर देश के कई महत्वपूर्ण व बड़े राज्यों में उस भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जिनके अनेक नेता समाज में बेरोकटोक जहर घोलते आ रहे हैं। कई नेता ऐसे भी हैं जिन्हें नफरत फैलाने के लिये पुरस्कार स्वरूप मुख्य मंत्री,मंत्री व उपमुख्य मंत्री जैसे पद नवाजे गये हैं। इससे प्रेरित होकर कई आधारहीन नेता भी अपने सफल व उज्जवल राजनैतिक भविष्य की खातिर साम्प्रदायिकता का खुला कार्ड खेल रहे हैं। और कोई भी जहरीला व विवादित बयान देकर रातों रात सुर्खियों में छा जाते हैं। दूसरी बात यह कि होली से ठीक पहले जिस तरह औरंगजेब व संभल की जुमा मस्जिद विवादित विषयों व उत्तर प्रदेश के एक पुलिस अधिकारी के आपत्तिजनक बयान को लेकर देश के आग लगाऊ दलाल मीडिया ने देश के वातावरण में नफरत का जहर घोलने की कोशिश की और साथ ही उत्तर प्रदेश के उस पुलिस अधिकारी के विवादित बयान को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का समर्थन भी मिला उन सब के मद्देनजर शांतिप्रिय देशवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक था। उधर गत 15 मार्च यानी होली के दिन ही मुसलमानों के पवित्र त्यौहार रमजान महीने में पड़ने वाले शुक्रवार यानी जुमा का दिन भी था। जुमे की नमाज को मुसलमानों में खास अहमियत दी जाती है खासकर रमजान माह के जुमे की तो और अधिक अहमियत होती है। यह दोनों यानी होली और जुमा (शुक्रवार) एक साथ पड़ने से लोगों के दिलों में और भी डर बैठा था कि सत्ता से जुड़े नफरती चिंटुओं की बदजुबानी उनकी गंदी व जहरीली मंशा, नफरती मीडिया की जुगलबंदी के साथ कहीं देश के खुशनुमा माहौल को साम्प्रदायिकता की भेंट न चढ़ा दे। लोगों में डर था की होली जैसे अबीर व गुलाल उड़ाने के रंग बिरंगे त्यौहार में कहीं रंग की जगह भंग न घुल जाये। और पूरा देश टकटकी लगाये सुबह से शाम तक होली और जुमे के संयुक्त आयोजन पर नजरें जमाये बैठा रहा। और होली व जुमा जैसे आयोजनों के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने की दुआयें मांग रहा था। बावजूद इसके कि शाहजहांपुर, संभल, बरेली, अलीगढ़ व अमरावती जैसी कुछ जगहों से उपद्रवी लोगों द्वारा उकसावे की कुछ कार्रवाई जरूर की गयी। मस्जिदों के सामने आपत्ति जनक गाने बजाये गये। परन्तु रोजदारों ने सहनशीलता का परिचय दिया और शहर दंगों की आग में झुलसने से बच गया। परन्तु देशभर में कुल मिलाकर आखिरकार देश की सांझी तहजीब का परचम लहराया। और जिस होली और जुमे को देश के कई संवेदनशील हिस्सों में हिंसा व दंगे फसाद की संभावना जताई जा रही थी उसी होली ने इस बार प्रेम सद्भाव व भाईचारे की ऐसी मिसाल पेश की जो शायद पहले कभी नहीं देखी गयी। होली व जुमे के बाद दोपहर से ही सोशल मीडिया पर भाईचारे की मिसाल पेश करने वाले जो दृश्य सामने आने शुरू हुये।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है। असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।?

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

आज का राशिफल

मेष महत्वाकांक्षाओं से भरा रहेगा और आपको हर मामले में लाभ होगा। यात्रा से सामान्य लाभ मिलेगा।

तुला आज दिन सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। जीवनसाथी का साथ मिलेगा।

वृषभ व्यापारी से अनबन हो सकती है। लेकिन अपने कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक आज दिन परोपकार में बीतेगा। दूसरों की मदद करने से आपको संतुष्टि मिलेगी।

मिथुन दिन थोड़ा मुश्किलों से भरा हो सकता है। परिवार से दूर होने का दुख आपको परेशान करेगा।

धनु आज दिन समस्याओं से भरा होगा। आप अपने धैर्य और अच्छे व्यवहार से माहौल को ठीक कर लेंगे।

कर्क आज दिन भाग्यशाली रहेगा। जीवनसाथी और व्यापारिक साझेदारों का सहयोग मिलेगा।

मकर से अचानक धन लाभ होगा। परिवार में किसी की तबीयत खराब होने से चिंता हो सकती है।

सिंह समाज में आपकी अच्छी छवि बनेगी। चल रहे कामों में सावधानी बरतें। पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

कुंभ आज दिन खुशियों से भरा रहेगा। किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी। धन लाभ होगा।

कन्या आज दिन धन लाभ के योग बना रहा है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन संतान पक्ष से खुशी मिलेगी। करियर शुरू करने वालों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

विशेष

सरकार के सरकारी गवाह ?

केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां जिसमें ईडी सीबीआई आयकर विभाग और दिल्ली पुलिस के सरकारी गवाह इन दिनों देशभर की सभी कोर्ट कोर्ट की चचाओं में हैं। सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने कई बार इस मामले में जांच एजेंसी के खिलाफ टिप्पणियां की हैं। इसके बाद भी सरकारी एजेंसियां सरकारी गवाहों के बयान के आधार पर मन माफिक तरीके से मुकदमे तैयार करते हैं। अदालत में आकर वह मुकदमे ढेर हो जाते हैं। ताजा मामला पश्चिम बंगाल का है। ईड़ी ने वहां जिसे अपराधी बनाया था। उसे बाद में गवाह बना लिया, और गवाह के बयान पर आरोपी पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को बना दिया। सरकारी एजेंसियों का खेल उनके लिए खेल है। इससे कई लोगों की जिंदगी और परिवार तबाह हो रहे हैं। बलिहारी जांच एजेंसियों की जिसे चाहे मुलजिम बना देती हैं। जिसे चाहे गवाह बना देती हैं। उन्हें तो सरकार को प्रसन्न रखना है। अपराध नियंत्रित करने और अपराधों का अन्वेषण करने की होने जरूरत ही नहीं है। इससे सरकार को कोई फायदा नहीं है। ना ही जांच एजेंसी के अधिकारियों को फायदा होता है।

42 रुपया रोजाना खर्च करने वाला गरीब नहीं

भारत सरकार गरीबी रेखा का नया फामूर्ला खोज कर लाई है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉक्टर समिका रवि ने घोषणा की है। गांव में जो व्यक्ति 960 रुपए महीने से कम खर्च करता है। वही गरीब है। शहरी क्षेत्र में जो परिवार 1410 रुपए से कम खर्च करता है। वह गरीब है। सरकार ने गरीबों की नई परिभाषा तय कर दी है। इस हिसाब से भिखारी भी अब गरीब नहीं माना जाएगा। सरकार को भी गरीबों के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1944 आजाद हिंद फौज ने पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय ध्वज फहराया. 1972 भारत और बांगलादेश में 25 वर्षीय शांति और मैत्री संधि हुई. 1563 फ्रांस में प्रथम धर्मयुद्ध समाप्त, 1711 रूस ने तुर्की के खिलाफ जंग का ऐलान किया था. 1799 नेपोलियन बोनापार्ट ने एक्रे इसरायल की नाकेबंदी की. 1880 स्पेन नरेश चार्ल्स ने गद्दी छोड़ी. 1812 स्पेन में नया कानून पारित हुआ. 1933 इटली के तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी ने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से समझौते का प्रस्ताव किया. 1962 फ्रांस और अल्जीरिया के राष्ट्रवादियों के बीच समझौते के बाद संघर्ष काफी हद तक समाप्त हो गया. 1971 साओ बाव्लो, ब्राजील में 60 व्यक्ति भूस्खलन में मारे गए. 1977 कांगो के राष्ट्रपति मारिएन एन्गोआबी की हत्या हुई थी. 1813 इंग्लैंड के खोजी मिशनरी डेविड लिविंग्स्टन का जन्म. 1990 पूर्वी जर्मनी ने दोनों जर्मनी के विलय के पक्ष में मत दिया. 1998 का बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने.

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.52 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.06 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.04 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.18 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.34 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.46 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.56 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.11 ब.से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	धनु	00.27 बजे से
		मकर	02.32 बजे से
		कुंभ	04.19 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 78 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 20.50 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 17.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.25 बजे तदनन्तर तैतिल 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872288 **जूलियन दिन** 2460753.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 18 **विशेष** रंगपंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

11वीं शताब्दी में बना ये घर सभी सुविधाओं से लैस

दक्षिण फ्रांस में उजेस शहर के बाहर जैतून और ओक ट्रफल पेड़ों के बीच स्थित ये 13 बेडरूम वाला घर 11वीं शताब्दी में बना था। तब इसका इस्तेमाल सैनिकों के लिए रक्षा स्टेशन के रूप में किया जाता था। बाद के वर्षों में इसका इस्तेमाल स्कूल और निजी मकान के रूप में भी किया गया। अब इसमें तमाम सुविधाएं और हीटेड स्विमिंग भी है। आप इसे 29.9 लाख डॉलर में खरीद सकते हैं।

वेनिस शहर में एक भी कार नहीं

ईटली का वेनिस शहर पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। 100 से ज्यादा द्वीपों को मिलाकर बना ये शहर उंचाई से देखने पर मछली के आकार जैसा दिखाई देता है। लेकिन अब यह शहर खतरे में है। दो साल पहले आई भीषण बाढ़ के बाद एक हेरिटेज ग्रुव ने संयुक्त राष्ट संघ से खत्म होने का खतरा मंडराने वाले शहरों की सूची में वेनिस को शामिल करने की मांग की थी। शहर की आबादी से ज्यादा यहां पर्यटक मौजूद होते है। 2017 में यहां की आबादी 2.62 लाख थी। जब कि उस साल 50 लाख चर्यटक ने वेनिस की यात्रा की थी। खास बात ये है कि शहर में एक भी कार नहीं है। यहां यातायात का एकमात्र प्रचलित साधन नावें ही हैं।

दुनिया की सबसे लंबी कला प्रदर्शनी स्टॉकहोम मेट्रो

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में भूमिगत बने मेट्रो स्टेशन किसी कैनवास की तरह लगते हैं। शहर में 110 किलोमीटर में फैली मेट्रो के लिए बनाए 100 स्टेशन में से 90 इसी तरह से रंगे हुए हैं। यहां 1950 में मेट्रो आरंभ हुई थी और 1957 में पहली बार कला से कायाकल्प शुरू हुआ था। कलाकार वीरा निल्सन और सिरि डेरकर्ट ने इस अभियान की शुरूआत की। तब से लेकर अब तक 150 कलाकार प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। 90 स्टेशंस को चित्रकारी, मूर्तिकला और मोज़ेक आदि से सजाया जा चुका है। ये दुनिया की सबसे लंबी आर्ट गैलरी भी मानी जाती है। हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। स्टॉकहोम मेट्रो के 100 स्टेशनों में से 90 पर 100 से अधिक कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित हैं, जो इसे शानदार बनाती हैं।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम की सबवे प्रणाली को दुनिया की सबसे लंबी आर्ट गैलरी के रूप में जाना जाता है, जिसमें 1950 के दशक से 150 से अधिक कलाकार एक-एक करके भूमिगत स्टेशनों को बदल रहे हैं। स्वीडन के कुछ सबसे प्रसिद्ध कलाकारों को कला बनाने के लिए वर्षों से नियुक्त किया गया है, जिसने 110 किमी के भूमिगत स्थान को शांति और सुंदरता का स्थान बना दिया है। एक टिकट की कीमत के लिए, आप स्टॉकहोम सबवे पर एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाते हैं, और प्रत्येक स्टॉप पर, आपको एक नया कला अनुभव मिलेगा।

सबसे लम्बी कला प्रदर्शनी

स्टॉकहोम मेट्रो को दुनिया की सबसे लंबी कला प्रदर्शनी कहा जाता है। एक शानदार कला प्रदर्शनी होने के साथ-साथ, स्टॉकहोम मेट्रो स्टॉकहोम और उसके उपनगरों में घूमने का एक शानदार तरीका है। स्टॉकहोम में मेट्रो से यात्रा करना एक व्यक्तिगत, मोबाइल आर्ट गैलरी में होने जैसा है, जो पारगमन में हर किसी को अविश्वसनीय मोज़ाइक, पेंटिंग, इंस्टॉलेशन और मूर्तियों की सुंदरता का अनुभव करने की अनुमति देता है। यह अनदेखे रहस्यों और आश्चर्यों से भरे आधुनिक पुरातत्व अभियान का हिस्सा होने की भावना पैदा करता है।

दुनिया का तीसरा सबसे अच्छा स्टेशन

गर्मियों में, एसएल (स्टॉकहोम पब्लिक ट्रांसपोर्ट) नियमित रूप से मेट्रो में मुफ्त गाइडेड आर्ट वॉक का आयोजन करता है (आपको बस एक वैध टिकट की आवश्यकता है)। इन आर्ट वॉक में, एसएल के आर्ट गाइड आपको 110 किमी लंबी मेट्रो प्रणाली के कार्यों के पीछे कलाकृति और मूर्तियों, वास्तुकला और कलाकारों के अनूठे संग्रह के बारे में और बताते हैं, जहां 100 में से 90 से अधिक स्टेशनों को खूबसूरती से सजाया गया है। ये एक बेहतरीन शुरुआती बिंदु सेंट्रल स्टेशन है, जहां से गुजरते समय आप निश्चित रूप से ढेर सारी कला देखेंगे, और यहां स्टॉकहोम के कुछ अन्य पसंदीदा दृश्य हैं। उनमें से एक को दुनिया का तीसरा सबसे अच्छे सबवे स्टेशन का नाम भी दिया गया है।

पशुओं में सबसे बड़ा है इनका दिमाग

स्पर्म व्हेल समुद्री जीवों में सबसे अनोखी है। मादा अपने बच्चों के साथ पूरी उम्र छोटे समूहों में गुज़ार देती है, तो वहीं नर दूसरे समूहों में विचरण करते रहते हैं। ये एक दूसरी ब्हेल के बच्चों को फीड भी कराती हैं। इनका दिमाग भी पशुओं में सबसे बड़ा और भारी होता है। एक प्रौढ़ स्पर्म ब्हेल का दिमाग 7.8 किलोग्राम तक होता है। ये अपने दिमाग का इस्तेमाल भावनाओं के आदान प्रदान, समाजीकरण और भाषा में करती हैं। न सिर्फ इनकी भाषा होती है बल्कि कई बार भौगोलिक जगह के आधार पर भाषा शैली भी बदल जाती है।

कंफर्ट टाउन के नाम से मशहूर हैं, युक्रेन की ये सुर्ख इमारतें

युक्रेन में 40 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली यह कंफर्ट टाउन हाउसिंग सोसायटी लीगो ब्लॉक की तर्ज पर बनी है। 1950 और 1960 के दशक में इन 180 इमारतों का निमार्ण कम्यूनिस्ट शासन के दौर में किया गया था। युक्रेन में इस डिज़ाईन पर बनी यह पहली टाउनशिप थी। इन इमारतों में 2 से लेकर 6 मंज़िलें हैं। सुर्ख रंगों वाली ये इमारतें माहौल को जोशीला और ताज़ा बनाए रखती हैं।

अपने शहर में आपने कई सारी बिल्डिंग देखी होगी लेकिन सबकी सब सिल्वर कलर की ही होती है। थोड़ी बहुत बिल्डिंग ही अलग रंग की होती है। कलरफुल बिल्डिंग तो बहुत कम ही देखी होगी लेकिन यूक्रेन के एक शहर में आप कई कलरफुल बिल्डिंग देख सकते हैं। यह शहर अपने कलरफुल रंग से बनी हुई इमारतों के लिए बेहद मशहूर है। इन बिल्डिंग्स की बनावट एक दम किसी पेंटिंग या बच्चों के कलरफुल खिलौनों की तरह लगती है। चलिए जानते हैं इन रंगीन इमारतो का रहस्य

निप्रो नदी पर पूर्वी तट पर, सोवियत उच्च-उगता क्षेत्रों से भरा एक क्षेत्र, कम्फर्ट टाउन, कीव का एक रंगीन उपनगर, बिल्कुल बाहर खड़ा है। यह आवासीय परिसर इंद्रधनुष के रंगों में लेगो जैसे घरों के साथ आता है और इसके आसपास के औद्योगिक घास से अलग नहीं हो सकता है। कम्फर्ट टाउन उज्ज्वल और खुशमिजाज है। यह निश्चित रूप से एक रंगीन दृश्य बनाता है। पेस्टल हरे, नीले, और नारंगी रंग की हवेली कोबल्ड सड़कों के साथ पंक्तिबद्ध हैं, और उनकी टाइलों वाली छतें ऊपर से विशेष रूप से अच्छी दिखती हैं। अब, इमारतों को चमकीले पीले, हरे और नारंगी और गुलाबी रंग में रंगा गया है, जिसमें बाहरी दीवारें और छतें शामिल हैं।कम्फर्ट टाउन में अब 20,000 से अधिक लोग रहते हैं। दक्षिण कोरिया में बनवोल द्वीप ने स्थानीय फूल, कैंपानुला से मेल खाने के लिए सब कुछ बैंगनी रंग में रंगने का फैसला किया। इसे बनाने वाले लोगों ने बताया कि सबसे सरल सामग्री, सबसे सरल तकनीकों का उपयोग किया। हमारे पास वास्तव में सिर्फ रंग और क्षितिज की रेखाएं थीं। रंगीन उपनगर के अंदर कैफे, दुकानें और कार्यालय हैं, साथ ही एक विशाल आउटडोर खेल सुविधा और 8,500 फ्लैट हैं।

3000 साल पुराने कुएं में है अभी भी पीने लायक पानी

यूनेस्को ने सऊदी अरब के हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। इस क्षेत्र के कुएं 3000 साल पुराने हैं। बताया जा रहा है कि इन कुओं में जो पानी है वह अब भी पीने लायक है। जी हां सउदी अरब के हिमा में बने इस कुओं और आसपास के पत्थरों पर लोगों ने कलाकृतियां बनाईं है। हिमा क्षेत्र के इन पत्थरों पर कलाकृतियों के चलते यूनेस्को ने सऊदी अरब के हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। यूनस्को की वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल होने वाली हिमा सऊदी अरब की छठवीं जगह है।

सऊदी अरब का हिमा सुर्खियों में है। दरअसल, यूनेस्को ने यहां के पत्थरों पर उकेरी गई प्राचीन प्रतीक चिन्हों एवं इबारतों को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। यूनस्को की वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल होने वाली हिमा सऊदी अरब की छठवीं जगह है। पश्चिमी नाजरान क्षेत्र में स्थित हिमा कारोबार एवं हज यात्रा के लिए एक अहम मार्ग रहा है। सऊदी अरब के दक्षिणी इलाके एवं मेसोपोटामिया, लेवंट एवं मिस्त्र के लोगों द्वारा इस मार्ग का इस्तेमाल होता रहा है। यात्रा के दौरान लोगों का कारवां एवं काफिला इस क्षेत्र में ठहरता था। इस दौरान हिमा क्षेत्र के इन पत्थरों पर लोगों ने कलाकृतियां बनाईं, वन्यजीव, पौधों, हथियार एवं औजारों की तस्वीरें उकेरीं। पत्थरों पर प्राचीन अरब लिपि मुस्नाद, थामुदिक, नबाताइएन और अरबी लिपि के प्राचीन स्वरूप मिलते हैं।

कुएं में अभी भी पीने लायक पानी

यहां मिले कुएं के बारे में कहा जा रहा है कि ये नाजरान क्षेत्र के लोगों के लिए शुद्ध पेय जल का एक प्रमुख जरिया थे। ये कुंए 3,000 साल पुराने हैं, इन कुओं में में आज भी पीने लायक पानी उपलब्ध है। धरोहर आयोग के अधिकारी का कहना है, हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर हम काफी रोमांचित हैं। यह क्षेत्र वैश्विक महत्व का है, यह हमें प्राचीन समय के जीवन एवं संस्कृति के बारे में हमें अहम जानकारी उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा, हम इलाके को संरक्षित करने के लिए कदम उठा रहे हैं। पत्थरों पर लिखे हुए संदेशों के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए हम शोध कार्य भी कर रहे हैं। अपनी धरोहरों के संरक्षण एवं विकास पर सऊदी अरब विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। किंगडम विजन 2030 में देश की सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों के संरक्षण पर विशेष जोर है।

10 टुकड़ों में बंट रहा है एक्मे फिनट्रेड लिमिटेड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। 100 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट भी तय कर दिया है। जोकि इस महीने नहीं है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस स्टॉक के विषय में –

किस दिन है रिकॉर्ड डेट– एक्सचेंज को दी जानकारी में एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो

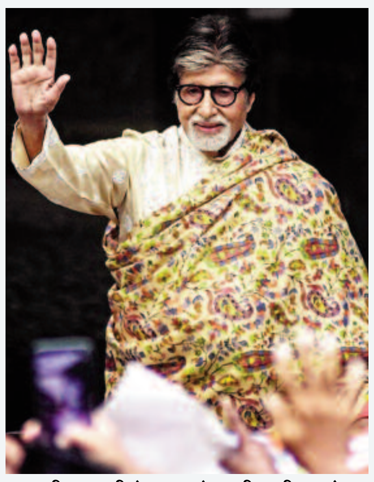

जाएगी। कंपनी ने 18 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी यही वो तारीख है जब कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में हो जाएगी।

क्यों होता है स्टॉक स्प्लिट – जब कंपनी को लगता है कि उनके शेयरों की वैल्यू अधिक हो गई है। तब कंपनी अपने शेयरों का बंटवारा करती है। इससे दाम कम हो जाता है। और पब्लिक के पहुंच में आ जाता है।

कोर्ट ने गौतम अडानी पर लगे आरोप को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के शेयर, स्टॉक मार्केट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह बॉम्बे हाईकोर्ट का एक फैसला माना जा रहा है। 17 मार्च को बॉम्बे हाईकोर्ट ने अडानी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन गौतम अडानी और एमडी राजेश अडानी पर

लगे आरोपों से मुक्त कर दिया। उन पर 388 करोड़ रुपये के मामले में स्टॉक मार्केट के नियमों को तोड़ने का आरोप लगा था। कोर्ट ने सोमवार को दिए अपने फैसले में कहा कि गौतम अडानी और राजेश अडानी दोषमुक्त पाया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट किसी प्रकार की धोखाधड़ी या फिर आपराधिक षडयंत्र को नहीं पाया है। बता दें, पूरा मामला 2012 का है। तब सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस ने अडानी एंटरप्राइजेस और उसके प्रमोटर्स के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। जिसपर अब बॉम्बे हाईकोर्ट की रुलिंग आई है।

अरसे बाद बमबम बोल रहा बाजार

शेयर, सोना, रुपया सभी में लौटी बहार

नई दिल्ली, एजेंसी। अरसे बाद निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है। शेयर से लेकर कमोडिटी मार्केट तक बमबम बोल रहे हैं। सोना रिकॉर्ड हाई पर है। सेंसेक्स में 800 से अधिक अंकों की उछाल है। निफ्टी तेजी का दोहरा शतक लगा चुका है और डॉलर के मुकाबले रुपया भी 10 पैसे मजबूत हुआ है। आज शेयर मार्केट की शुरुआत ही मंगलकारी रही। सेंसेक्स सुबह सवा दस बजे तक 821 अंकों की उछाल के साथ 74991 पर पहुंच गया था। निफ्टी 242 अंकों की बंपर तेजी के साथ 22751 पर था। एनएसई पर 2662 स्टॉक्स ट्रेड कर रहे थे। इनमें 2174 हरे निशान पर थे। निफ्टी मिड कैप और स्माल कैप में तेजी थी। सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान पर ट्रेड कर रहे थे। बैंक निफ्टी में 1.30 पर्सेंट की तेजी थी तो ऑटो में 1.35 पर्सेंट की। फाइनेंशियल सर्विसेज 1.24, एफएमसीजी 0.96, आईटी 1.16, मीडिया 2.06, मेटल 1.29 और फार्मा इंडेक्स 0.72 पर्सेंट ऊपर था। निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.34, प्राइवेट बैंक 1.06, रियल्टी इंडेक्स में 2.19 पर्सेंट की तेजी थी। इनके अलावा सभी इंडेक्स हरे निशान पर थे।

सोने के भाव सातवें आसमान पर– घरेलू फ्यूचर्स मार्केट में मंगलवार सुबह सोने ने नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ नीतियों के आर्थिक प्रभाव को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच आया है। एमसीएक्स गोल्ड (5 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट) ने 18 मार्च को 88,470 प्रति 10 ग्राम का नया ऑल-टाइम हाई छुआ। सुबह 10:25 बजे तक, सोना 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 88,470 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर चांदी भी 0.57 पर्सेंट उछलकर 101106 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।

डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत– रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर ट्रेड कर रहा था। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे मजबूत होकर 86.81 पर बंद हुआ था। छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला अमेरिकी डॉलर इंडेक्स 0.19 प्रतिशत बढ़कर 103.56 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.21 प्रतिशत बढ़कर 71.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एक प्रवासी के बेटे ने बनाई लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी

गौतम अडानी से ज्यादा है नेटवर्थ

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्लोस स्लिम लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 82 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी से दो स्थान नीचे और गौतम अडानी से दो स्थान ऊपर 19वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 2.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। स्लिमके पास लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मोबाइल फोन ऑपरेटर कंपनी अमेरिका मोविल में कंट्रोलिंग स्टेक है। 2023 में इस कंपनी का रेवेन्यू 46 अरब डॉलर रहा था। स्लिम के माता-पिता लेबनॉन से मेक्सिको आए थे।

कार्लोस स्लिम हेलू का जन्म 1940 में मेक्सिको सिटी में हुआ था। उनके माता-पिता लेबनॉन से आकर मेक्सिको में बसे थे। उन्होंने 1961 में मेक्सिको स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की नेशनल ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। 25 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी कार्सो रियल एस्टेट शुरू की और 1980 के दशक में मेक्सिको के कर्ज संकट के दौरान टोबैको, कॉपर और माइनिंग में जमकर निवेश किया। साथ ही उन्होंने 1990 के दशक में रेस्टोरेंट एंड रिटेल चेन सैनबोर्न ब्रदर्स को भी खरीद लिया। इसी दौरान उन्होंने सरकारी टेलिकॉम कंपनी टेलमी और वायर एंड फाइबर-ऑप्टिक केबल बनाने वाली कंपनी सैनबोर्न ब्रदर्स को भी अपनी झोली में डाल लिया।

कैसे खड़ा किया बिजनेस

एक दशक बाद उन्होंने अमेरिकी मूवीज के बैनर तले पूरे लैटिन अमेरिका में मोबाइल फोन ऑपरेशंस को खरीदा। 2011 में उन्होंने इसे टेलमी में मर्ज कर दिया। स्लिम की साथ ही कई कमर्शियल बैंकों और एनर्जी कंपनियों में भी हिस्सेदारी है। अपनी फैमिली इनवेस्टमेंट कंपनी कार्सो ग्रुप के जरिए उन्होंने मेक्सिको की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में भी निवेश किया है। स्लिम की वेल्थ में बड़ा हिस्सा पब्लिकली ट्रेडेड कंपनियों से आता है। उनकी आधी दर्जन से अधिक पब्लिक कंपनियों में हिस्सेदारी है जिनसे उन्हें डिविडेंड मिलता है। साल 2008 में उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स में भी 6.4 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। स्लिम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बचपन से ही वह उद्यमी बनकर अपने पिता के काम में हाथ बंटाना चाहते थे। छोटी उम्र में ही उन्होंने पिता से बिजनस की बारीकियां सीख ली थी। उनके पिता ने उन्हें फाइनेंस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग के बारे में बताया था।

कोरोना और 2008 पर भारी व्यापार युद्ध

एफआईआई ने निकासी के तोड़े रिकॉर्ड, 1.53 लाख करोड़ रुपये के बेचे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकासी के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इसकी प्रमुख वजह व्यापार युद्ध गहराने की आशंका है, जिस कारण निवेशकों ने कोरोना में बाजार में औंधे मुंह गिरावट और 2008 में वैश्विक मंदी को भी पीछे छोड़ दिया है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के समाप्त होने में 13 दिन बाकी हैं, फिर भी इन निवेशकों ने शुद्ध रूप से 1.53 लाख करोड़ के शेयर बेच दिए हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष से पहले 1.40 लाख करोड़ की सबसे बड़ी निकासी 2021-22 में हुई थी। वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान वैश्विक मंदी में 47,706 करोड़ रुपये निकाले गए थे। 2022-23 में 37,000 करोड़ के शेयर बेचे थे। हालांकि, इन निवेशकों ने 2020-21 में सबसे ज्यादा 2.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जनवरी से अब तक 1.43 लाख करोड़ की बिकवाली– चालू कैलेंडर वर्ष की बात करें तो इसमें भी विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड निकासी की है। 2025 में जनवरी से अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इससे पहले 2022 में शुद्ध रूप से 1.21 लाख करोड़ और 2008 में 52,987 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई थी, जबकि सबसे अधिक निवेश 2023 में 1.70 लाख करोड़ रुपये का रहा है। 2020 में 1.70 लाख करोड़

रुपये, 2012 में 1.28 लाख करोड़ और 2010 में 1.33 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश किया गया था।

1992-93 में भारत में आए थे एफआईआई

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने पहली बार 1992-93 में भारतीय शेयर बाजार में 13 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। 1993-94 में यह रकम बढ़कर 5,127 करोड़ रुपये हो गई थी। 1998-99 में पहली बार 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश हुआ। 2007-08 में पहली बार घरेलू बाजार में विदेशी निवेश 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा था।

घरेलू बाजार में लगे हैं 50 लाख करोड़

विदेशी निवेशकों का घरेलू बाजार में करीब 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। एफआईआई जब भी भारतीय बाजार से रकम निकालते हैं, उसका असर हमारे बाजार पर दिखता है। इस वित्त वर्ष में अक्तूबर से इन निवेशकों ने निकासी शुरू की है और तब से सेंसेक्स और निफ्टी में 15 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशक अच्छी खरीदी कर रहे हैं, बावजूद इसके बाजार नीचे जा रहा है।

एनर्जी शेयर को खरीदने टूट पड़े निवेशक, 144 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी यानी इरेडा के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 4.60 प्रतिशत चढ़कर 144.45 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक पॉजिटिव खबर है। दरअसल, कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बॉरोइंग लिमिट में 5,000 करोड़ की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। बता दें कि कंपनी का आईपीओ साल 2023 में 32 के भाव पर आया था।

क्या है डिटेल

आधिकारिक बयान के अनुसार, अधिक फंड विभिन्न साधनों के माध्यम से जुटाई जाएगी, जिसमें टैक्स योग्य बांड, अधीनस्थ टियर- बांड, सतत ऋण साधन (पीडीआई), बैंकों और वित्तीय संस्थानों से टर्म लोन, इंटरनेशनल एजेंसीज (बहुपक्षीय और द्विपक्षीय) से क्रेडिट लाइनें, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी), शार्ट टर्म लोन और बैंकों से कार्यशील पूंजी मांग ऋण (डब्ल्यूसीडीएल) शामिल हैं।

दिसंबर तिमाही के नतीजे– इरेडा ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 425.38 करोड़ की वृद्धि दर्ज की, साथ ही परिचालन से राजस्व में 36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,698.99 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान, कंपनी की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) साल-दर-साल 39 प्रतिशत बढ़कर 622.3 करोड़ तक पहुंच गई।

कंपनी की योजना– इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा कि भारत के रिन्यूएबल एनर्जी विस्तार के लिए 2030 तक 40-46 लाख करोड़ रुपये निवेश की आवश्यकता होगी।

सोने ने बनाया एक और नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू फ्यूचर्स मार्केट में मंगलवार सुबह सोने ने नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ नीतियों के आर्थिक प्रभाव को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच आया है। एमसीएक्स गोल्ड (5 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट) ने 18 मार्च को 88,380 प्रति 10 ग्राम का नया ऑल-टाइम हाई छुआ। सुबह 9:15 बजे तक, सोना 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 88,372 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस सत्र में 3,012.05 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। निवेशकों ने ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ नीतियों से गंभीर आर्थिक नुकसान की आशंकाओं के बीच सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख किया।

अब सभी की नजर 19 मार्च को अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के नीतिगत निर्णय पर है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के पॉलिसी रेट्स को अपरिवर्तित रखने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि फेड की हॉकिश नीति सोने की कीमतों पर दबाव डाल सकती है।

आर्थिक अनिश्चितता के दौर में सोने की कीमतें बढ़ती हैं। हालांकि, ब्याज दरों में वृद्धि सोने के लिए नकारात्मक होती है। उच्च दरों के कारण, बॉन्ड और सेविंग अकाउंट जैसे फिक्स्ड-इनकम एसेट्स बेहतर रिटर्न देते हैं, जिससे सोना निवेशकों के लिए कम आकर्षक हो जाता है।

सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर क्यों पहुंच रही हैं

सोने की कीमतों को कई कारकों ने समर्थन दिया है। इनमें सबसे प्रमुख ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से पैदा हुआ ट्रेड वॉर है, जिससे आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ गया है। सोने को आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता और मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षित संपत्ति माना जाता है। एक और कारक डॉलर इंडेक्स में गिरावट है। चूंकि सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में तय होती है, इसलिए डॉलर में कमजोरी आने पर सोना अन्य मुद्राओं में सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी भी सोने की कीमतों को समर्थन दे रही है। पिछले कुछ सालों में दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंक सोने की भारी खरीदारी कर रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी रिसर्च के सीनियर एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा, सोने की कीमतों को कई कारकों ने बढ़ावा दिया है। इनमें डॉलर इंडेक्स में गिरावट प्रमुख है। मिश्रित–से–सकारात्मक मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतकों के बावजूद, डॉलर इंडेक्स सुस्त रहा है, जो 107 से गिरकर लगभग 103.50 पर आ गया है। इसके अलावा, टैरिफ वॉर को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जो सोने की कीमतों को समर्थन दे रही है।

महंगा हुआ हेल्थ इंश्योरेंस, प्रीमियम चुकाने के लिए लेना पड़ रहा लोन

हर महीने हजारों लोग ले रहे कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में स्वास्थ्य सेवाओं की लागत बढ़ी है तो उसे कवर करने के लिए लिए गए हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भी कुछ कम महंगा नहीं। हालत यह है कि बीमा प्रीमियम की बढ़ती लागत के कारण लोग लोन लेकर अपना हेल्थ कवर बनाए रखने या उसे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार फिन्सॉल, बिम्पे फिनश्योर और इंसुरफिन जैसी स्टार्टअप कंपनियां बीमा प्रीमियम के लिए फाइनेंस कर रही हैं। फिन्सॉल और बीमा पे हर महीने करीब 7000 नए ग्राहक जोड़ रही हैं। औसतन लोन हर ग्राहक के लिए 40,000 रुपये का होता है। इस पर ब्याज दर 12 प्रतिशत से 16 प्रतिशत के बीच होती है जो ग्राहक की क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करती है।

छोटे शहरों में ज्यादा मांग

बीमा पे के सीईओ हनुत मेहता के अनुसार, उनके 70 प्रतिशत ग्राहक टियर-2 और टियर-3 जैसे छोटे शहरों से आते हैं। इनमें से 30 प्रतिशत लोग पहले कभी लोन नहीं लिए होते हैं। उन्होंने कहा, लोग आसान भुगतान विकल्प का इस्तेमाल करके अपने बीमा कवरेज को बढ़ा सकते हैं और बेहतर सुरक्षा पा सकते हैं।

प्रीमियम में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी

बीमा इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, पिछले एक साल में 52 प्रतिशत पॉलिसीधारकों की हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम 25 प्रतिशत तक बढ़ गई है। फिन्सॉल के सीईओ टिम मैथ्यूज ने बताया कि कोविड के बाद से हर साल हेल्थकेयर खर्च बढ़ रहा है। हाल की एक रिपोर्ट में स्वास्थ्य क्षेत्र में महंगाई 14 प्रतिशत बताई गई है। इसके कारण युवा भी अपने परिवार के लिए बड़ा हेल्थ कवर लेना पसंद कर रहे हैं और इसे किश्तों में चुकाने के विकल्प को अपना रहे हैं। फिन्सॉल ने 15 बीमा कंपनियों के साथ टाइ–अप किया है।

40 से 50 साल की उम्र में ग्राहक ज्यादा– चार महीने पहले ही शुरू हुई इंसुरफिन ने बताया कि उसके यहां औसत लोन 55,000 रुपये का है। सीईओ चित्तरंजन सवाड़ी के अनुसार, अधिकतर ग्राहक 40 से 50 वर्ष के हैं, जो बढ़ती हेल्थकेयर लागत के कारण बड़ा बीमा कवर लेना चाहते हैं। इसके अलावा, बीमा एजेंट भी संपर्क कर रहे हैं ताकि वे अपने ग्राहकों के लिए यह सुविधा ले सकें।

इरेडा का क्या है दिशा–निर्देश – उम्र बढ़ने के साथ बीमा प्रीमियम भी बढ़ता है। 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए प्रीमियम में भारी बढ़ोतरी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए इरेडा ने जनवरी 2024 में नए दिशा–निर्देश जारी किए। इसके अनुसार, बीमा कंपनियां 60 साल से अधिक उम्र के लोगों का प्रीमियम सालाना 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं बढ़ा सकतीं, जब तक कि इसके लिए पहले से मंजूरी न ली जाए।

केवाईसी दस्तावेज़ के लिए ग्राहकों को बार-बार न परेशान करें, आरबीआई गवर्नर का बैंकों को सख्त संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों से कहा, वे ग्राहकों को 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) दस्तावेज जमा करने के लिए बार-बार फोन न करें। आरबीआई लोकपालों के सालाना सम्मेलन में मल्होत्रा ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि एक बार ग्राहक की ओर से वित्तीय संस्थान को दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद उन्हीं कागजातों को फिर से प्राप्त करने पर जोर न दिया जाएगा। आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर खेद जताया कि अधिकतर बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने अपनी शाखाओं या कार्यालयों को केंद्रीय डाटाबेस से जानकारी हासिल करने की सुविधा नहीं दी है। इससे ग्राहकों को असुविधा होती है। सबके हित को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द ही सुगम बनाया जा सकता है।

मल्होत्रा ने कहा कि बैंकों को उपभोक्ता सेवाओं में सुधार करने की जरूरत है और यह उनका कर्तव्य भी है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बैंक ग्राहक बार-बार केवाईसी जमा करने के अनुरोध के कारण सोशल मीडिया मंचों पर असुविधा की शिकायत कर रहे हैं।

ग्राहक शिकायतों को गलत तरीके से वर्गीकृत न करें बैंक– आरबीआई गवर्नर ने बैंकों को चेतावनी दी कि वे ग्राहकों की शिकायतों को गलत तरीके से वर्गीकृत न करें। ऐसा करना घोर नियामकीय उल्लंघन है। उन्होंने कहा, 2023-24 में में बैंकों को एक करोड़ ग्राहक शिकायतें मिली थीं। अगर अन्य विनियमित संस्थाओं के खिलाफ मिली शिकायतों को शामिल किया जाए तो यह संख्या और बढ़ जाएगी। इन शिकायतों में से 57 फीसदी के लिए आरबीआई लोकपाल के मध्यस्थता या हस्तक्षेप की आवश्यकता थी।

महिला खिताब हटाने पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने स्पष्ट किया रुख; बोले- नहीं छीन सकते अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी हंगरी की जूडिथ पोल्गर आवाज उठा रही हैं कि महिला शतरंज के खिताबों को खत्म कर देना चाहिए। उनका समर्थन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने साफ कर दिया है कि उसका महिलाओं के खिताब (महिला ग्रैंडमास्टर आदि) हटाने का कोई इरादा नहीं है। फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की का कहना है कि ऐसा करना महिलाओं से उनके अधिकार छीनना और महिला प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा। सुतोवस्की ने कहा, पिछले वर्षों में शीर्ष पर मौजूद महिला शतरंज खिलाड़ियों की रेटिंग में काफी गिरावट आई है, इसलिए उन्हें महिलाओं की इवेंट की जरूरत है, जिसमें खेल कर वह अपने में सुधार कर सकें। महिला शतरंज में पुरस्कार राशि बढ़ाए जाने के बावजूद महिला शतरंज लगभग 15 वर्ष पीछे है। पहले हमें 15 से 17 वर्ष की आयु में 2500 की रेटिंग वाली महिला खिलाड़ी मिल जाती थीं, लेकिन आज हमारे पास 17 से 18 वर्ष की आयु में 2400 की रेटिंग वाली दो खिलाड़ी मौजूद हैं।

पोल्गर की मांग का वैशाली ने किया समर्थन

दिग्गज खिलाड़ी हंगरी की जूडिथ पोल्गर आवाज उठा रही हैं कि महिला शतरंज के खिताबों को खत्म कर देना चाहिए। उनका समर्थन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया। उन्होंने कहा, महिला खिताब हटाने से महिलाओं को ग्रैंडमास्टर हासिल करने की ज्यादा प्रेरणा मिलेगी।

ऐसे तो महिला शतरंज खत्म हो जाएगा

ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से का कहना है कि महिलाओं के खिताब हटाने से महिला शतरंज खत्म हो जाएगी। जूडिथ पुरुषों के साथ खेलती थीं। लेकिन उनकी बहन सुसान ने महिलाओं के साथ खेलना नहीं छोड़ा। वैशाली को जितने भी पुरस्कार मिले हैं, उनमें महिला शतरंज के खिताबों का योगदान है।

ड्रेसिंग रूम में नहीं है भाईचारा, टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ी बताया अब तक क्यों नहीं जीत पाई यह टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन से खेल रही हैं। 17 सीजन के बीतने के बाद भी यह टीम खाली हाथ है। उन्होंने अब तक एक बार भी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं उठाई है। राहुल द्रविड़, विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस जैसे खिलाड़ी इस टीम के कप्तान रहे, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स इस टीम के लिए खेले लेकिन कभी चैंपियन नहीं बना पाए। इसी टीम का हिस्सा रहे भारतीय खिलाड़ी ने टीम की नकामी का कारण ड्रेसिंग रूम में भाईचारे की कमी को बताया। लेफ्ट आर्म स्पिनर शादाब जकाती करियर की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। वह 2010 और 2011 में खिताब जीतने वाली टीम में शामिल थे। साल 2014 में आरसीबी में शामिल हुए और केवल एक ही मैच खेले। इस सीजन में उन्होंने टीम को लेकर कई बातें समझीं जिसके बारे में उन्होंने बताया। स्पोर्ट्सकीड़ा ने शादाब के हवाले से लिखा, 'यह एक टीम गेम है। अगर आप ट्रॉफी जीतना चाहते हैं, तो टीम को एक इकाई की तरह खेलना होगा। 2-3 खिलाड़ी आपको ट्रॉफी जीतने में मदद नहीं कर सकते। चेन्नई के पास भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत समूह और कुछ अच्छे विदेशी खिलाड़ी थे। अपना संयोजन बनाना महत्वपूर्ण है। जब मैं आरसीबी में था, तो वे केवल 2-3 खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित करते थे।'

आईपीएल में हो सकता है कारनामा

क्रिस गेल के छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने से कितना दूर हैं रोहित !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली तीसरे नंबर पर हैं. कोहली ने 272 छक्के लगाए हैं. वहीं रोहित फिलहाल दूसरे नंबर पर हैं. रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के दमदार खिलाड़ी हैं. वे टूर्नामेंट में मुंबई को अपनी कप्तानी में खिताब भी दिलवा चुके हैं. रोहित विस्फोटक बैटिंग के लिए भी मशहूर हैं. रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के दमदार खिलाड़ी हैं. वे टूर्नामेंट में मुंबई को अपनी कप्तानी में खिताब भी दिलवा चुके हैं. रोहित विस्फोटक बैटिंग के लिए भी मशहूर हैं. रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 257 मैचों में 280 छक्के लगाए हैं. लेकिन रोहित अब नंबर वन भी बन सकते हैं. रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 257 मैचों में 280 छक्के लगाए हैं. लेकिन रोहित अब नंबर वन भी बन सकते हैं. आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल टॉप पर हैं. गेल ने 142 मैचों में 357 छक्के लगाए हैं. रोहित फिलहाल गेल के इस रिकॉर्ड से दूर हैं. रोहित को क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 77 छक्के लगाने होंगे.

मेरे बारे में धारणायें बनाई गई, टाइपकास्ट किया गया लेकिन...

मुझे अपनी ताकत पता थी: श्रेयस

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला। पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें 'मौन नायक करार दिया। शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने इंटरव्यू में कहा, 'शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया। लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत, क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था। पिछले 8 वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखा। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था। श्रेयस की कप्तानी मे आईपीएल जीता और फिर उन्होंने भारतीय वनडे टीम में वापसी की। इस आईपीएल सत्र से पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे श्रेयस ने कहा, 'मैने अपनी प्रक्रिया सरल रखी। ज्यादा सोचा नहीं और ईमानदारी से काम करता रहा। मुझे भरोसा था कि मेरी ईमानदारी और प्रदर्शन फिर मुझे मौका दिलाएगा। उन्होंने कहा, 'इस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैने अपने कौशल पर और मेहनत की। मैं नतीजे से खुश हूं क्योंकि इसके पीछे काफी मेहनत की गई है।

पाकिस्तान की फजीहत पर फजीहत... न्यूजीलैंड ने पहले 61 और अब 79 गेंदों में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फजीहत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. पहले अपनी मेजबानी में हुई आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में उसे शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी. टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम बगैर कोई मैच जीते ग्रुप स्टेज से ही 5 दिन में बाहर हो गई थी. अब पाकिस्तानी टीम न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां वो 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है. इस दौरे के लिए मोहम्मद रिजवान की जगह सलमान अली आगा को कप्तानी सौंपी गई. मगर फिर भी पाकिस्तानी टीम की फजीहत पर फजीहत ही हो रही है.

न्यूजीलैंड टीम सीरीज में 2-0 से आगे

सीरीज के पहले टी20 मैच में पाकिस्तानी टीम 91 रनों पर ढेर हो गई थी. इसके बाद कीवी टीम ने यह मैच 61 गेंदों में ही जीत लिया था. जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मुकाबला मंगलवार (18 मार्च) को डुनेडिन में खेला गया. बारिश से बाधित इस मैच को 15-15 ओवर का किया गया था. ऐसे में पाकिस्तानी टीम ने 9 विकेट पर 135 रन बनाए. मगर वो यह मैच नहीं बचा सकी.

टिम सेफर्ट की ताबड़तोड़ पारी से जीती कीवी टीम

कीवी टीम ने सीरीज का यह दूसरा मुकाबला 79 गेंदों में 5 विकेट से अपने नाम कर लिया. न्यूजीलैंड ने 13.1 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 137 रन जड़ दिए. इस तरह कीवी टीम इस सीरीज में 2-0 से आगे हो गई है.इस दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान की ओर से सलमान ने कप्तानी पारी खेली और 28 गेंदों में 46 रन जड़े. जबकि शादाब खान ने 26 और शाहीन आफरीदी ने 22 रन बनाए. दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम के लिए टिम सेफर्ट ने 22 गेंदों में 45 रन ठोके. उन्हें ही प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. जबकि फिन एलन ने 16 गेंदों पर 38 रन बनाए.

पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर जुनैद जफर खान की मैच में मौत

कराची, एजेंसी। क्रिकेट जगत को सन्न कर देने वाली खबर आई है. क्रिकेट मैच खेलने के दौरान एक पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर की मौत हो गई है. यह घटना ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में हुई. दुनिया को अलविदा कहने वाले पाकिस्तान मूल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जुनैद जफर खान की उम्र 40 साल से ज्यादा थी.दरअसल, जुनैद क्लब स्तर के खिलाड़ी थे. शनिवार को जब वो मैच खेल रहे थे, तब तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक था. इतनी भीषण गर्मी में जुनैद ने करीब 40 ओवर फील्डिंग की. मगर मैच के दौरान ही शाम 4 बजे के करीब उनकी तबीयत खराब हुई और वह बेहोश होकर मैदान पर गिर पड़े. जिसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाई गई, मगर उन्हें बचाया नहीं जा सका. जुनैद ओल्ड कॉनकॉर्डियंस क्रिकेट क्लब के लिए मैच खेल रहे थे. यह मुकाबला एडिलेड के कॉनकॉर्डिया कॉलेज में प्रिंस अल्फ्रेड ओल्ड कॉलेजियंस के खिलाफ हुआ.

आईटीबीपी के घुड़सवार राकेश कुमार अव्वल

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के घुड़सवारों ने भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स में विजेताओं को पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। 43वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता और घुड़सवार पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आईटीबीपी भानू में सोमवार को जांबाज घुड़सवारों ने दम दिखाया। इसमें पुलिस हॉर्स प्रतियोगिता में आईटीबीपी के अश्व अंबर के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, दूसरा स्थान दिल्ली पुलिस के अश्व तिलक के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल संदीप खटाना और तीसरा स्थान बीएसएफ के अश्व जसन के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल ध्रुव सिंह को मिला। मेडल रिले प्रतियोगिता में सशस्त्र सीमा बल की टीम-बी के अश्व अप्पू के साथ घुड़सवार सुरेंद्र सिंह, अश्व रेवा के साथ घुड़सवार अमन पाठक और अश्व चैंपियन के साथ घुड़सवार यशपाल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, दूसरा स्थान बीएसएसफ की टीम-ए के अश्व बिल्लू के साथ घुड़सवार कांस्टेबल दिनेश कुमार, अश्व समर प्लेस के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल तेज प्रसाद जोशी और अश्व प्रेम के साथ घुड़सवार कांस्टेबल आकाश कुमार ने प्राप्त किया।

ईश सोढ़ी 10वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, इस तेज गेंदबाज को छोड़ा पीछे

डुनेडिन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में 5 मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया। इस मैच के बाद ईश सोढ़ी न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। सोढ़ी ने मैच में दो विकेट लिए और अपने करियर में कुल 264 विकेट लिए। उन्होंने पूर्व कीवी तेज गेंदबाज इवेन जॉन चैटफील्ड को पीछे छोड़ दिया जिनके नाम 263 विकेट हैं। सोढ़ी अब न्यूजीलैंड के लिए 10वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 12 साल के करियर में सोढ़ी ने 196 मैच खेले हैं और 264 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/39 रहा है। उनके नाम दो बार 5 विकेट का रिकॉर्ड भी दर्ज हैं। उनका औसत 30.71 और इकॉनमी 5.37 है। भारतीय मूल के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी अपने माता-पिता के साथ ऑकलैंड चले गए और सोढ़ी ने 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। वह 12 साल से न्यूजीलैंड टीम से जुड़े हैं लेकिन टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं, सोढ़ी टी20 टीम में एकमात्र स्थिर खिलाड़ी रहे हैं जहां वह टिम साउथी के बाद न्यूजीलैंड के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सोढ़ी ने टी20आई में 22.94 की औसत और 7.97 की इकॉनमी के साथ 142 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। पाकिस्तान का शीर्ष क्रम फिर से कीवी गेंदबाजों का सामना करने में संघर्ष करता दिखा जिसमें शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में 22* रन, दो चौके और एक छक्का) ने कुछ उपयोगी रन बनाए, जिससे पाकिस्तान ने बारिश से बाधित मैच में 15 ओवरों में 135/9 का स्कोर बनाया। बेन सियर्स ने न्यूजीलैंड तीन ओवरों में सिर्फ 23 रन देकर दो विकेट लिए।

जब बिरयानी को लेकर भड़क गए थे एमएस धोनी, चेन्नई सुपर किंग्स ने रातों-रात बदल लिया था होटल

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी साथियों और प्रशंसकों के बीच 'कैप्टन कूल' के नाम से प्रसिद्ध हैं। हालांकि, क्या 'कैप्टन कूल' को भी गुस्सा आता है तो इस सवाल का जवाब हां हो तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपील) के दौरान वह एमएस धोनी ही थे जब आईपीएल 2019 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान नो-बॉल के फैसले का विरोध करने अंपायर से भिड़ने मैदान के अंदर पहुंच गए थे। इस घटना से तो लगभग सभी लोग वाकिफ होंगे, क्योंकि ऐसा लाइव मैच के दौरान हुआ था, लेकिन ऐसी ही एक और घटना है। यह घटना घर पर बनी बिरयानी को लेकर थी। ऐसा 2014 में हुआ था। तब कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चैंपियंस लीग टी20 मैच के लिए चेन्नई सुपर किंग्स हैदराबाद में थी। अगर उस समय की खबरों पर यकीन किया जाए, तो एमएस धोनी एक होटल की 'बाहर का खाना नहीं खाने की अनुमति' नीति से बहुत ज्यादा नाराज हो गए थे। पूर्व भारतीय कप्तान का गुस्सा इस बात से इतना बढ़ गया था कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईटीसी ग्रैंड काकतिया होटल से ताज कृष्णा में चली गई थी। अंबाती रायुडू ने सीएसके खिलाड़ियों के लिए घर पर बनी बिरयानी भेजी थी। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि होटल ने शुरू में खिलाड़ियों को बिरयानी अपने कमरे में ले जाने से मना किया था। अन्य रिपोर्ट्स में कहा गया कि होटल ने खिलाड़ियों को बिरयानी अपने कमरे में ले जाने की मंजूरी दी थी, लेकिन खिलाड़ियों से होटल के सार्वजनिक परिसर में इसे खाने से परहेज करने को कहा था।

जोकोविच, अल्काराज मियामी ड्रॉ के एक ही हाफ में

मियामी, एजेंसी। छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच और 2022 के खिताब विजेता कार्लोस अल्काराज 19 मार्च से शुरू हो रहे मियामी ओपन के मुख्य ड्रॉ के एक ही हाफ में उतरे हैं। जोकोविच 2019 के बाद पहली बार मियामी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी कर रहे हैं। 2011 से 2016 तक, सर्बियाई स्टार ने छह संस्करणों में से पांच जीते। वह मियामी में अपनी वापसी की शुरुआत अपने हमवतन हमाद मेदजेडोविच, 2023 एटीपी फाइनल्स चैंपियन या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा के खिलाफ करेंगे। रिकॉर्ड 40 बार मास्टर्स 1000 जीतने वाले इस खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में दानिल मेदवेदेव के रूप में एक और पूर्व नंबर 1 से सामना हो सकता है। 2023 मियामी चैंपियन मेदवेदेव अपने शुरुआती मैच में जैम मुनार या आर्थर रिंडरकनेच से भिड़ेंगे। जोकोविच लगातार तीन मैच हारने के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें इंडियन वेल्स में बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के खिलाफ शुरुआती हार भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय खिलाड़ी का मियामी में 44-7 का रिकॉर्ड है। दूसरे वरीय अल्काराज, जो एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार टूर्नामेंट में 13-3 हैं, अपने इवेंट की शुरुआत डेविड गोफिन या एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ करेंगे। तीसरे दौर में उनका सामना 31वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से हो सकता है और स्पैनियार्ड के क्वार्टर में अन्य वरीय खिलाड़ियों में पांचवें वरीय कैस्पर रूड, ग्रिगोर दिमित्रोव और 12वें वरीय टॉमी पॉल शामिल हैं। इंडियन वेल्स की तरह, एलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष वरीय हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से जर्मन खिलाड़ी ने लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं जीते हैं और मियामी में वापसी करने की कोशिश करेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। ज्वेरेव अपने टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रेंचमैन बेंजामिन बोंजी या क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। 27 वर्षीय खिलाड़ी तीसरे दौर में खतरनाक 28वीं वरीयता प्राप्त जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से खेल सकते हैं, जबकि 16वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और 17वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स संभावित चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी हैं। जैक ड्रेपर, जिन्होंने अपनी पहली मास्टर्स 1000 जीत हासिल की है, छठे वरीयता प्राप्त हैं। ब्रिटेन का यह खिलाड़ी ज्वेरेव के क्वार्टर में है

सिंधू का सामना मालविका से, पुरुष एकल में लक्ष्य देंगे प्रणय को चुनौती; फॉर्म हासिल करने पर नजरें

बासेल, एजेंसी। सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी।स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 2,50,000 डॉलर इनामी राशि के स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। सिंधू का सामना भारत की दूसरे नंबर की मालविका बंसोड़ से होगा। वहीं, लक्ष्य भी भारत के ही एच एस प्रणय से खेलेंगे जो यहां 2016 में खिताब जीत चुके हैं। सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी। मालविका ने हालांकि सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। लक्ष्य ऑल इंग्लैंड के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जबकि प्रणय पहले दौर में बाहर हो गए थे। स्विस ओपन में भारतीयों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। सिंधू, किदांबी श्रीकांत, प्रणय, समीर वर्मा, साइना और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग खिताब जीत चुके हैं।

इस बात से डरते हैं शाहरुख और दीपिका पादुकोण

हम सभी को किसी ना किसी बात से डर लगता है। लेकिन कुछ लोगों का डर इतना बढ़ जाता है कि वो फोबिया में बदल जाता है। बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। जानिए, बॉलीवुड एक्टर्स, एक्ट्रेस को किस बात से डर लगता है? किस बात को लेकर फोबिया है?

हाल ही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। जिस पर उन्होंने लिखा कि वह अपने डर का सामना करने के लिए जा रही हैं। फैंस को अपने डर के बारे में अभिनेत्री ने बताया। ये फोटो बीच समंदर की थीं। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं। कई और कलाकार भी हैं जिनको किसी ना किसी बात से डर लगता है। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड हीरो, हीरोइन के डर, फोबिया के बारे में।

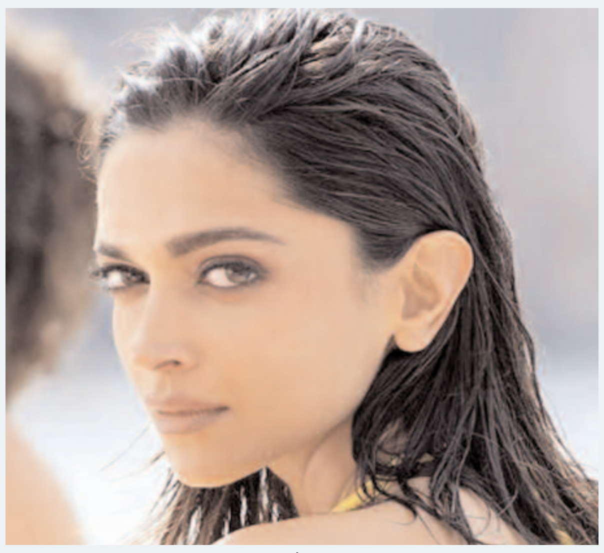

शाहरुख खान

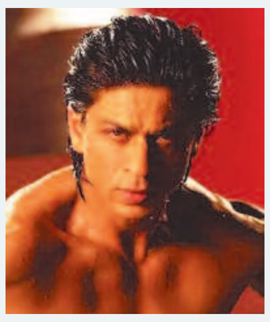

शाहरुख खान ने कई इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें घुड़सवारी करने से डर लगता है। वह 'करण-अर्जुन' फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिर गए थे, जिससे उन्हें चोट आई। इसी तरह फिल्म 'अशोक' के दौरान भी शाहरुख खान को घुड़सवारी करने में काफी समस्या आई। इस वजह से वह घोड़े वाले सीन फिल्मों में खुद नहीं करते हैं, इसके लिए शाहरुख खान का बॉडी डबल इस्तेमाल किया जाता है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट को अंधेरे से डर लगता है। वह अंधेरे में घबरा जाती हैं। वह रात को जब सोती हैं तो डिम लाइट जलाकर रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया को बचपन में बहन ने एक कमरे में बंद कर दिया था, इस कारण उनके मन में अंधेरे को लेकर डर पैदा हो गया।

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को किसी बड़ी चीज से डर नहीं लगता है। वह तो कॉकरोच से डरते हैं। अगर कहीं कॉकरोच दिख जाए तो रणबीर कपूर वहां से दूर हो जाते हैं। रणबीर कपूर ऐसे अकेले नहीं हैं, जिनको कॉकरोच से डर लगता है, कई लोगों के मन में ऐसा डर बसा होता है, छोटे जीव-जंतु देखकर उनकी चींख निकल जाती है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को नेचर से बहुत प्यार है, वह नेचर के बीच रहना पसंद करती हैं। लेकिन उनको सांप से डर लगता है। इस वजह से वह फिल्मों में ऐसे सीन्स भी नहीं करती हैं, जिसमें सांप दिखाए जाते हों।

आमिर खान

आमिर खान बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार हैं। एक बार उन्हें मौत का भय महसूस हुआ, वह इस बात से डरने लगे, यह एक तरह का फोबिया होता है। इस वजह से उन्होंने फिल्म 'दंगल' की शूटिंग से पांच महीने का ब्रेक लिया। आमिर खान ने निर्देशक नितेश तिवारी को यहां तक कहा था कि अगर उनको कुछ हो गया तो वह फिल्म के लिए नया एक्टर ले लें। इसके लिए आमिर ने कुछ नाम भी निर्देशक को सुझा दिए थे।

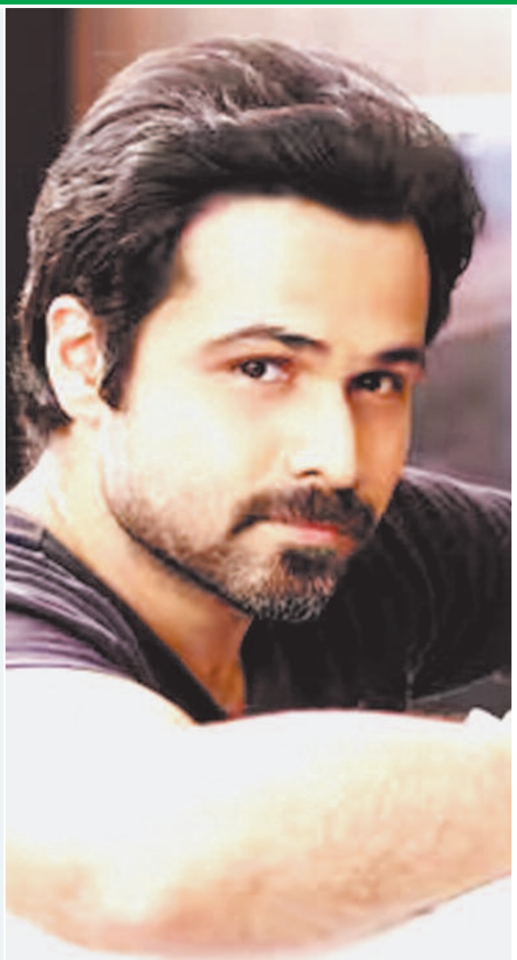

शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

इमरान हाशमी ने अच्छे से हाथ तक नहीं मिलाया

पाकिस्तानी अभिनेता ने आगे बताया कि बाद में हमारी मुलाकात साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड्स क्रिकेट स्टेडियम में हुई, लेकिन इमरान हाशमी का व्यवहार अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, मैंने इमरान हाशमी से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से बहुत ही बेरुखा व्यवहार दिखा। उन्होंने बहुत ही बेरुखे तरीके से हाथ मिलाया और अपना मुंह तक दूसरी ओर मोड़ लिया, जिससे मुझे वाकई में काफी गुस्सा आई।

पति जैकी भगनानी को लेकर रकुल प्रीत सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी के बंधन में बंध गए। इस जोड़े ने समुद्र तट के किनारे हुई इस शादी में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ खुशी मनाई। वहीं हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रकुल ने जैकी को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया।

बॉलीवुड के पसंदीदा जोड़ों में से एक, रकुल और जैकी 2021 से साथ हैं। रकुल ने शादी के बाद सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं, जिनमें उन दोनों की लव बॉन्डिंग साफ दिखाई देती है। अब रकुल ने अपने पति जैकी भगनानी को लेकर ऐसी बात कही, जिसे सुनने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल ने एक इंटरव्यू में कहा, हम दोनों अपने आप में खुश हैं और साथ में और भी खुश रहते हैं। मुझे उन्हें बार-बार फोन करने की जरूरत नहीं पड़ती। रकुल ने आगे यह भी बताया कि शादी के बाद उनके और जैकी के रिश्ते में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। उन्होंने डेटिंग शुरू करते वक्त ही इस बारे में बात कर ली थी। उनका रिश्ता खुशी पर टिका है, ना कि किसी कमी को पूरा करने पर। रकुल ने कहा कि वे दोनों अपने काम पर ध्यान देते हैं और साथ में समय बिताते वक्त काम को भूलने की कोशिश करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी गहरी दोस्ती है, जिसमें वे सब कुछ एक-दूसरे से साझा कर सकते हैं। रकुल और जैकी की शादी में शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा, वरुण धवन, नताशा दलाल, अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर जैसे कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए।

शादी के बाद रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी शादी की तैयारियों और जश्न के खूबसूरत पल दिखे। इसमें हल्दी, मेहंदी, संगीत और जयमाला जैसे लम्हें शामिल थे।

काम की बात करें तो रकुल, अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित दे दे प्यार दे के सीक्वल में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कथित तौर पर पंजाब, मुंबई और लंदन में की गई है। फिल्म में जिमी शेरगिल भी अहम किरदार में नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2, 14 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुष्पा 3: द रैम्पेज के लिए करना होगा 3 साल इंतजार, 2028 में होगा प्रदर्शन

वर्ष 2024 दिसम्बर 5 को प्रदर्शित हुई निर्देशक सुकुमार की अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2ः द रूल भारतीय सिने इतिहास की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स फिल्मों में शामिल हुई थी। इस फिल्म के अन्त में इसके तीसरे भाग की घोषणा की गई थी। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग पुष्पा 3ः द रैम्पेज के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की है। यह फिल्म वर्ष 2028 में प्रदर्शित होगी। ज्ञातव्य है कि पुष्पा 2 - द रूल ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए करीब 1,750 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स में से एक बन गई। अब, निर्माता रविशंकर ने पुष्टि की है कि पुष्पा 3 साल 2028 में रिलीज होगी। इस देरी के पीछे मुख्य वजह अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्में हैं। पहले उन्हें निर्देशक एटली के साथ एक फिल्म पूरी करनी है, फिर वह त्रिविक्रम संग एक और प्रोजेक्ट में काम करेंगे। इन दोनों फिल्मों के अगले दो सालों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, पुष्पा के निर्देशक सुकुमार भी पहले सुपरस्टार राम चरण के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम करेंगे और उसके बाद पुष्पा 3 पर फोकस करेंगे। अल्लू अर्जुन की पुष्पा फ्रैंचाइज़ी हर फिल्म के साथ एक नया मुकाम हासिल कर रही है। हाल ही में फिल्म के डायलॉग राइटर श्रीकांत विसा ने खुलासा किया कि पुष्पा 3 अपने पिछले भाग पुष्पा 2 की तुलना में और भी बड़ी, भव्य और दमदार होने वाली है। इस बार फिल्म में दर्शकों को नए किरदारों के साथ पहले से भी ज्यादा शानदार एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। मेकर्स फिल्म के विलेन के लिए एक बड़े बॉलीवुड स्टार को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं, जिससे फिल्म को और भी बड़ा बनाया जा सके। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि 2021 में रिलीज़ हुई पुष्पाः द राइज़ ने वर्ल्डवाइड 350 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी और यह साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई थी। इसके बाद, पुष्पा 2 - द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए जबरदस्त ओपनिंग हासिल की और अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।

करण के साथ कोर्ट मैरिज करेंगी

तेजस्वी प्रकाश

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। हाल ही में तेजस्वी ने अपने शादी के प्लान पर बात की और बताया कि वे और करण किस तरह शादी करना चाहेंगे। अभिनेत्री हिना खान हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ सेलिब्रिटी मास्टशेफ में पहुंचीं। दोनों स्पेशल गेस्ट के रूप में अपनी शादी का मेन्यू तय करने शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागी सेलेब्स को टास्क दिए। हिना और रॉकी ने प्रतिभागियों को लड़की वाले और लड़केवाले दो ग्रुप में बांट दिया। इस शो में फराह खान ने तेजस्वी से उनकी शादी का प्लान पूछा।

बोलीं- कोर्ट मैरिज से दिक्कत नहीं

शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में फराह खान ने तेजस्वी से करण कुंद्रा के साथ उनकी शादी का प्लान जनना चाहा। इस पर तेजस्वी ने खुलासा किया कि वे सादगी के साथ शादी करना चाहेंगी। करण पंजाबी हैं और तेजस्वी महाराष्ट्रीयन।

ऐसे में फराह ने पूछा कि उनकी शादी किस तरह की होगी? इस सवाल के जवाब में तेजस्वी ने खुलासा किया, मुझे नॉर्मल कोर्ट मैरिज से कोई दिक्कत नहीं है। हम लोग फिर घूमेंगे, फिरेंगे ऐश करेंगे।

बिग बॉस 15 में हुई आंखें चार

इस दौरान तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की पहली मुलाकात का भी जिक्र हुआ। हिना खान ने उनकी लव स्टोरी के बारे में सवाल किया। तेजस्वी ने बताया कि वे और करण एक रियलिटी शो में मिले थे। उन्होंने कहा, एक दिवाली सीक्वेंस था। हम डांस कर रहे थे और हैप्पी दिवाली की शुभकामना देने के लिए एक-दूसरे की ओर बढ़े। और तभी अचानक कुछ हुआ। बता दें कि तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा को बिग बॉस 15 के दौरान एक-दूजे से प्यार हुआ।

ये प्रतिभागी हैं शो का हिस्सा

शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में विकास खन्ना, फराह खान और रणवीर बरार जज हैं। कुकिंग रियलिटी शो का प्रीमियर 25 जनवरी, 2025 को हुआ था। तब से यह दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

वर्तमान में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के प्रतियोगी अर्चना गौतम, गौरव खन्ना, तेजस्वी प्रकाश, निक्की तंबोली, राजीव अदातिया, फैजल शेख और उषा नाडकर्णी हैं। जल्द ही इस शो का ग्रैंड फिनाले होने वाला है।

कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजहः यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचावः फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था। इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे?: जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 की नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस पर इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पास लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर भी फिल्म नहीं चली। तो जब तक बहुत जरूरी न हो मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता।

लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बनाना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ किया कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विचार कर सकते हैं।

साभार एजेंसी